RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381
डाक पंजीकरण संख्या MP/IDC/1619/2024-2026

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

12 वर्ष

दैनिक सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, शनिवार ●28 दिसंबर , 2024 वर्षः-12 अंक-240 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

आरटीओ के करोड़पति कॉन्स्टेबल के ठिकानों पर ईडी की रेड

भोपाल, ग्वालियर-जबलपुर में मेटल डिटेक्टर के साथ सर्चिंग, कार में मिला था 54 किलो सोना

भोपाल। आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा के भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर स्थित ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई चल रही है। ईडी की अलग-अलग टीमों ने शुक्रवार सुबह एक साथ तीनों शहरों में छापे मारे। सूत्रों के मुताबिक, रेड में कई अहम दस्तावेज मिले हैं। ईडी की टीम सुबह करीब 5 बजे भोपाल में अरेरा कॉलोनी ई-7 स्थित मकान नंबर 78 और 657 समेत 1100 क्वार्टर स्थित जयपुरिया स्कूल के दफ्तर पहुंची। फिलहाल, अधिकारी दीवारों और फर्श की मेटल डिटेक्टर और अन्य आधुनिक उपकरणों के साथ जांच कर रहे हैं। अफसरों को आशंका है कि जिस तरह लोकायुक्त के छापे के दौरान सौरभ के घर में टाइल्स के नीचे ढाई किलो चांदी मिली थी, उसी तरह इन ठिकानों पर और भी सोना और चांदी छिपाकर रखा गया है। ग्वालियर के बहोड़ापुर स्थित सौरभ शर्मा की कोठी पर सुबह 5 बजे ही पुलिस फोर्स के साथ ईडी ने दबिश दी। फिलहाल, घर के बाहर फोर्स तैनात है, अंदर अफसर सर्चिंग कर रहे हैं। हालांकि, ग्वालियर एसपी धर्मवीर सिंह का कहना है कि रेड किसकी है, यह अभी उनको भी नहीं पता है। किसी भी जांच एजेंसी ने ग्वालियर पुलिस से संपर्क नहीं किया है। पड़ोस में रहने वाले रिटायर्ड डीएसपी मुनीष राजौरिया ने बताया- ये डॉ. राकेश शर्मा का घर है। उनके दो लड़के सचिन और सौरभ शर्मा हैं। सचिन छत्तीसगढ़ में नौकरी करता है। सौरभ भोपाल में ही रहता था। यहां उसका बहुत कम आना-जाना होता है। जबलपुर में शास्त्री नगर स्थित बिल्डर रोहित तिवारी के घर पर भी भोपाल से ईडी की टीम पहुंची है। जबलपुर में सौरभ शर्मा का ससुराल है। सूत्रों ने बताया कि ईडी के अधिकारी रोहित के परिवार के सदस्यों से पूछताछ कर रहे हैं। सौरभ ने अपनी पत्नी दिव्या के भाई शुभम तिवारी के नाम से करोड़ों का निवेश किया है। इसके अलावा दोस्त चेतन सिंह गौर और बहनोई रोहित तिवारी के नाम भी निवेश का पता चला है। ईडी की टीम इसकी पड़ताल में जुटी है। सौरभ ने 2012 में कंस्ट्रक्शन कंपनी- ओमेगा रियलकॉन प्राइवेट लिमिटेड बनाई थी। इसमें चेतन सिंह गौर और शरद जायसवाल डायरेक्टर जबकि रोहित तिवारी एडिशनल डायरेक्टर बनाए गए। पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा के साले शुभम तिवारी के भाई पंकज तिवारी न कहा कि सुबह भोपाल से ईडी की टीम जबलपुर स्थित हमारे घर पर आई थी।

अखिलेश महाकुंभ में डुबकी लगाएं, निगेटिविटी धुल जाएगी

प्रयागराज में मुख्तार अब्बास नकवी बोले-उन्हें हर काम में कमी दिखती है

प्रयागराज (एजेंसी)। पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा- अखिलेश यादव महाकुंभ में एक बार डुबकी लगा लें तो उनकी सारी निगेटिविटी धुल जाएगी। जिनकी मानसिकता में ही निगेटिविटी भरी हो, उन लोगों को हर काम में कमी दिखाई देती है। इससे वह समाज में भ्रम और भय पैदा करते हैं। नकवी महाकुंभ की तैयारियों के बीच शुक्रवार को प्रयागराज पहुंचे हैं। जहां उन्होंने अखिलेश यादव के एक्स पर पोस्ट को लेकर जमकर निशाना साधा। अखिलेश ने 25 और 26 दिसंबर को महाकुंभ की तैयारियों पर सवाल किए थे। मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा- महाकुंभ की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। सभी कार्य समय से पूरे होंगे। महाकुंभ पर पूरे विश्व की नजर है। योगी सरकार इसे भव्य, दिव्य बनाने में जुटी है। इस बार महाकुंभ पूरे विश्व के लोगों को भारत की भव्य और दिव्य छवि को दिखाएगा।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दे रहा है देश

● कांग्रेस मुख्यालय से आज सुबह शुरू होगी अंतिम यात्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के बेहतरीन अर्थशास्त्रियों में से एक और राजनीति में शालीनता के प्रतीक माने जाने वाले पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह अपने पीछे परिवर्तनकारी नीतियों की विरासत छोड़ गए। मनमोहन सिंह (92) का गुरुवार रात नई दिल्ली के एम्स अस्पताल में निधन हो गया। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि मनमोहन सिंह की अंतिम यात्रा शनिवार सुबह 9.30 बजे एआईसीसी मुख्यालय से श्मशान घाट के लिए शुरू होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मनमोहन सिंह के निधन पर दुख जताया है और कांग्रेस पार्टी ने आगामी सात दिनों के लिए अपने सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष कर्नाटक में अपने सभी प्रोग्राम कैंसिल कर दिल्ली पहुंच गए हैं। कांग्रेस के ये दोनों नेता देर रात करीब सवा दो बजे मनमोहन सिंह के आवास पर पहुंचे। इससे पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर दुख जताते हुए कहा कि वह भारत के सबसे प्रतिष्ठित नेताओं में से एक थे और उन्होंने देश की आर्थिक नीति पर गहरी छाप छोड़ी। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, भारत अपने सबसे प्रतिष्ठित नेताओं में से एक डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन पर शोकाकुल है।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को अमेरिकी विदेशमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

न्यूयार्क टाइम्स ने कहा-मृदुभाषी और बुद्धिजीवी का हो गया निधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने पूर्व पीएम के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें भारत-अमेरिका संबंधों का महान समर्थक बताया। ब्लिंकन ने मनमोहन सिंह के कार्यों को पिछले 2 दशक में भारत और अमेरिका की द्विपक्षीय उपलब्धियों की नींव बताया। ब्लिंकन ने कहा कि पूर्व पीएम के नेतृत्व में हुए अमेरिका-भारत सिविल न्यूक्लियर कोऑपरेशन एग्रीमेंट ने दोनों देशों के संबंधों की संभावनाओं में बड़ा निवेश किया। मनमोहन सिंह का 92 वर्ष की आयु में गुरुवार देर रात दिल्ली के एम्स अस्पताल में निधन हो गया।

बदल गया मौसम का मिजाज, ठंड के साथ बारिश

रतलाम समेत प्रदेश के कई जिलों में बारिश,ओले भी गिरे

भोपाल। मध्य प्रदेश के कई जिलों में मावठा गिरा है। शुक्रवार को दोपहर में खरगोन जिले के महेश्वर, बैतूल के मुलताई, अलीराजपुर और रतलाम जिले के कुछ इलाकों में बारिश हुई है। रतलाम के मलवासा गांव और आसपास के क्षेत्र में तो छोटे-छोटे ओले भी गिरे हैं। मंदसौर में करीब 20 मिनट तक तेज बारिश हुई, जिससे कृषि मंडी में रखी लहसुन समेत अन्य उपज भीग गई। मौसम विभाग ने मध्यप्रदेश में 27-28 दिसंबर को ओले, बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया है। भोपाल में सुबह से बादल छाए है। ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन में कुछ ऐसे ही हालात है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) और साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम एक्टिव है। वहीं, हवा का असर भी है। अगले 2 दिन सिस्टम का असर रहेगा। 29 दिसंबर को सिस्टम का असर कम हो जाएगा। फिर टेम्प्रेचर में गिरावट होगी।

अष्टम पुण्यस्मरण

लोकसेवा
अर्थात
राष्ट्र सेवा

शिक्षा, स्वास्थ, स्वच्छता, खेल, धर्म व विकास के क्षेत्र में आपके द्वारा किये कार्य अविस्मरणीय हैं

"उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत"
(कठोपनिषद 1/3/14)
अर्थात- "उठो, जागो और लक्ष्य की प्राप्ति तक मत रूको"

महान कर्मयोगी ब्रह्मलीन
श्री रामलाल जी यादव
(भल्लू भैय्या)
पूर्व विधायक, पथ प्रदर्शक, जनसेवक महाप्रयाण - दिनांक 28 दिसम्बर 2016

शुद्धता, धैर्य, दृढ़ता और प्रेम आपके ये आदर्श, हमारा एवं आगतों का मार्गदर्शन करते रहेंगे...
हम आपके श्री चरणों में विनम्र विनयांजलि समर्पित करते हैं

ब्रह्मलीन श्री रामलालजीयादव (भल्लू भैय्या) की स्मृती में बाणगंगा से 1000 यात्रियों को मथुरा, वृन्दावन की यात्रा एवं गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा 3 से 7 जनवरी 2025 तक कराई जाएगी।

पुण्यतिथि पर किये जाने वाले सेवाकार्य
- म.प्र. दृष्टिहीन कल्याण संघ इन्दौर वायर चौराहा, किला मैदान पर दृष्टिहीनों को भोजन प्रसादी
- मिसनरी ऑफ चेरेटी चिड़िया घर के पास भोजन प्रसादी
- महिला उत्कर्ष संस्थान वृद्धाश्रम पर वृद्धजनों को भोजन प्रसादी
- नि:शक्तजन आधार वेलफेयर सोसायटी आसरा स्कीम नं. 51 में भोजन प्रसादी
- मानव सेवा ट्रस्ट पोलोग्राउण्ड में भोजन प्रसादी
- महेश दृष्टिहीन कल्याण संघ स्कीम नं. 54 में भोजन प्रसादी
- दि नेशनल एसोसिएशन फार ब्लाईंड स्कीम नं. 54 पर भोजन प्रसादी
- नार्मदीय युवा सेवा समिति निराश्रित सेवाश्रम, देवधरम टेकरी पितृ पर्वत।

श्रद्धानवत - नवजीवन ग्रुप एवं समस्त मित्रगण

अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री में मजदूरों ने अधिकारियों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा

मैहर। अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री में भरे डीजल टैंकर में बिल्डिंग करते समय हुआ ब्लास्ट, मजदूरों ने कहा अधिकारियों की लापरवाही से हुई दुर्घटना मौके पर पहुंचे अधिकारियों को मजदूरों ने पुलिस के सामने दौड़ा दौड़ा कर पीटा पुलिस कर्मियों ने बचाई अधिकारियों की जान। मजदूरों ने घटना के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्यवाही करने की पुलिस से करी मांग।

लग्जरी कार में चंदन की तस्करी करते 4 गिरफ्तार

शहडोल। हाल ही में अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा-2' रिलीज हुई है जिसमें चंदन की तस्करी को दर्शाया गया है। मध्य प्रदेश के शहडोल में भी इसी तरह की चंदन तस्करी का पर्दाफाश हुआ है। तस्करी कर रहे एक गिरोह को शहडोल पुलिस ने पकड़ा है। पकड़े गए 4 तस्कर कार की डिक्की में लगभग एक क्विंटल चंदन की लकड़ी सहित देशी कट्टा व 7 राउंड जिंदा कारतूस लेकर जा रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें दबोच लिया।बुढ़ार थाना क्षेत्र का है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिलती थी। जिसके बाद पुलिस ने फिल्मी स्टाइल में चंदन की तस्करी करने वाले चार तस्कर मुकेश कचेर, जागेश्वर सिंह मार्को, मुन्ना महरा, कैलाश बाबू राठौर को गिरफ्तार किया। फिल्म 'पुष्पा' में जिस तरह से चंदन की तस्करी दिखाई गई थी, ठीक उसी तरह गाड़ा सरई चंदन घाट से ये चारों सिल्वर कलर के मारुति, गाड़ी क्रमांक [illegible]-18-[illegible]-0523 से चंदन की तस्करी कर रहे थे।कार की डिक्की में लगभग 100 किलो चंदन छिपाकर ले जा रहे थे। पुलिस ने जब कार की तलाशी ली तो चंदन की लकड़ी के साथ साथ देशी कट्टा, 7 जिंदा कारतूस, सहित आरी ब्लेड, मोबाइल भी बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने तस्करों को दबोच लिया। बुढ़ार पुलिस ने चंदन और वाहन के साथ चारों तस्करों को गिरफ्तार कर लिया है। जब्त की गई लकड़ी व मशरूका की कीमत लाखों में आंकी गई है।शहडोल एसपी रामजी श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि एक कार में चंदन के लकड़ी की ले जाने की सूचना मिली थी। जिस पर कार्रवाई की गई है। तस्करों के पास से लगभग 1 क्विंटल चंदन की लकड़ी, एक कट्टा, 7 जिंदा कारतूस समेत आरी ब्लेड भी जब्त किया गया है। फिलहाल आगे की कार्रवाई की जा रही है।

नर्सिंग ऑफिसर के सूने मकान से लाखों के जेवरात चोरी, खाक छान रही पुलिस

उज्जैन। मध्य प्रदेश में चोरों के हौसले बुलंद है। आए दिन प्रदेश में लूट की वारदात हो रही है। ताजा मामला उज्जैन से सामने आया है। जहां चोरों ने नर्सिंग ऑफिसर के सूने मकान पर धावा बोला। बदमाशों ने लाखों रुपये के सोने के आभूषणों पर हाथ साफ कर दिया। वहीं पुलिस चोरों की तलाश में खाक छान रही है।चिमनगंज थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, गुरुवार रात प्रेम एवेन्यू कॉलोनी में सूने मकान में चोरों ने धावा बोल दिया और लाखों रुपए के सोने जेवरात ले उड़े। चरक भवन में पदस्थ नर्सिंग ऑफिसर रीना चौरे सुबह जब अपनी ड्यूटी से लौटी तो उन्होंने अपने घर का ताला टूटा हुआ देखा। घर में अंदर जाकर देखा तो कमरे में सामान बिखरा पड़ा था।उन्होंने जब अपने जेवरात देखे तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। तिजोरी से जेवरात गायब मिले। रीना चौरे के मुताबिक लगभग चार लाख रुपए की कीमत के जेवरात चोरी हुए है। इधर घटना की जानकारी मिलते ही चिमनगंज पुलिस मौके पर पहुंची। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे है। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

शॉपिंग करने आई महिला पर युवक ने फेंका पेशाब

भोपाल। एक शर्मनाक और हैरान करने वाला मामला सामने आया है, यहां जहांगीराबाद मार्केट में शॉपिंग करने आई महिला पर एक युवक ने पेशाब फेंक दिया। महिला ने शोर मचाया तो मौके पर मौजूद भीड़ ने युवक की जमकर पिटाई कर दी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक महिला जहांगीराबाद थाना क्षेत्र की रहने वाली है। बताया जा रहा है कि वह अपने रिश्तेदार महिलाओं के साथ बाजार में शॉपिंग करने आई थी। इस दौरान अनवर हुसैन नाम के युवक ने महिला पर पेशाब फेंक दिया। पीड़िता के विरोध करने पर आरोपी को भीड़ ने पकड़ लिया। उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी सामने आया है। जिसमें लोग युवक की पिटाई करते दिखाई दे रहे हैं। इधर स्थानीय लोगों ने बताया कि आरोपी का नाम अनवर हुसैन है। वह स्वयं को एडवोकेट बताता था, बुधवार को पेशाब को पॉलीथिन में भरने के बाद उसने महिला पर फेंक दिया था। महिला के विरोध करने पर मौके पर मौजूद लोगों ने युवक की पिटाई कर दी।

शासकीय राशि का दुरुपयोग कर आयोजित किया कार्यक्रम

विदिशा। मध्य प्रदेश के विदिशा जिले से एक वीडियो सामने आया है। जिसमें एक स्कूल के प्राचार्य अपनी पत्नी के साथ 'के चली गजब की चाल, जुलम कर डारयो, काले ने कर दियो लाल, जुलम कर डारयो' गाने पर थिरके नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि प्राचार्य के कार्यकाल का एक साल पूरा होने पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमें शासकीय राशि का जमकर दुरुपयोग किया गया।सिरोंज के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में डांस का एक वीडियो सामने आया है। जिसमें प्रभारी प्राचार्य मनोज शर्मा के कार्यकाल का 1 वर्ष पूर्ण होने पर शासकीय राशि का दुरुपयोग करते हुए उनके सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। वैसे तो रेडक्रॉस व स्काउट गाइड का उपयोग सिर्फ स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर होता है। लेकिन कार्यक्रम का आयोजन 23 दिसंबर को हुआ था और उस दिन कोई शासकीय कार्यक्रम भी नहीं था। यह प्रोग्राम रेड क्रॉस एवं स्काउट गाइड की ओर से आयोजित किया गया था।जानकारी के अनुसार 27 सेकंड के वायरल वीडियो में शासकीय उच्चतर कन्या माध्यमिक विद्यालय सिरोंज के प्राचार्य मनोज शर्मा अपनी पत्नी सहित वार्षिक उत्सव कार्यक्रम के समापन पर 'काले ने कर दियो लाल, जुलम कर डारयो' गाने पर थिरकते नजर आए। प्राचार्य का यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिस पर तरह-तरह के कमेंट्स आ रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद जिला शिक्षा अधिकारी रामकुमार ठाकुर ने प्राचार्य मनोज शर्मा को हिदायत भी दी है और कारण बताओ नोटिस जारी किया है। साथ ही उन्होंने कहा कि अगर शासकीय राशि का दुरुपयोग किया होगा तो दोषियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

परीक्षा देने गए छात्र आपस में भिड़े, 10वीं के 6 छात्रों ने 12वीं के छात्र के साथ की मारपीट

डिंडोरी। अर्धवार्षिक परीक्षा देने गए छात्र आपस में भिड़ गए। विवाद के बाद मारपीट की नौबत आ गई। छात्रों के एक गुट ने छात्र की जमकर पिटाई कर दी। घायल छात्र ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। स्कूली छात्र की मौत के बाद स्कूल प्रबंधन ने मामले से अपना पल्ला झाड़ लिया। मृतक छात्र के परिजनों ने सिटी कोतवाली थाने में शिकायत कार्रवाई की मांग की है,जिला मुख्यालय के हायर सेकेंडरी स्कूल भोंदू टोला में अर्धवार्षिक परीक्षा के दौरान कक्षा 10वीं में पढ़ने वाले छात्रों का विवाद 12वीं के छात्र से हो गया। विवाद को लेकर 10वीं के पांच से 6 छात्रों ने 12वीं के छात्र के साथ 11 दिसंबर की शाम मारपीट की। अपने रूम मेट को बचाने आये सूर्यभान मार्को कक्षा 12वीं को बीचबचाव करने पर आक्रोशित छात्रों ने जमकर मारपीट की, जिससे सूर्यभान के सिर में गंभीर चोट आई। उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी गंभीर हालात को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे रेफर कर दिया। परिजन उसे इलाज के लिए शहडोल ले गये, जहां 21 दिसंबर को दम तोड़ दिया। मृतक छात्र के समर्थन में उतरे [illegible] पार्टी प्रदेश संगठन मंत्री राजबली मरावी कार्यकर्ताओं के साथ कोतवाली थाना पहुंचे और आरोपी छात्रों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने पीएम रिपोर्ट के बाद कार्रवाई की बात कही है।

शहर-जिला अध्यक्ष को लेकर 24 नामों पर विचार, भोपाल से लगेगी मुहर

उज्जैन / भोपाल। मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के संगठन चुनाव चल रहे हैं जिनमें हाई प्रोफाइल सीटों पर जबरदस्त मुकाबला देखने को मिल रहा है, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के गृह नगर उज्जैन की हाई प्रोफाइल सीट पर शहर और जिला अध्यक्ष पद की दौड़ में कई नेता शामिल हैं, भारतीय जनता पार्टी के प्रभारी विधायकों द्वारा रायशुमारी चल रही है, धार्मिक नगरी उज्जैन के बीजेपी लोक शक्ति कार्यालय पर इन दिनों शहर और जिला अध्यक्ष पद को लेकर गहमा गहमी देखने को मिल रही है। उज्जैन में शहर और जिला अध्यक्ष पद को लेकर 24 नाम पर विचार चल रहा है। उज्जैन के नगर निगम के पूर्व सभापति सोनू गहलोत के मुताबिक भारतीय जनता पार्टी में निर्वाचन प्रक्रिया के तहत शहर और जिला अध्यक्ष का चयन होता है लेकिन यह सब सौहार्दपूर्ण माहौल में रायशुमारी के साथ हो जाता है।

बीजेपी संगठन चुनाव- उज्जैन की शहर-जिला अध्यक्ष को लेकर 24 नामों पर विचार, भोपाल से लगेगी मुहर, इस बार भी भारतीय जनता पार्टी में कई योग्य दावेदार हैं, जिनका चयन चल रहा है, उन्होंने यह भी कहा कि 31 दिसंबर के पहले ही नए अध्यक्ष का नाम सामने आ जाएगा, भाजपा नेता सौदान सिंह के मुताबिक शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में कई लोगों नेताओं के नाम पर रायशुमारी चल रही है, विधायक भगवान दास सबनानी ने कई नेताओं से बातचीत कर शहर और जिला अध्यक्ष को लेकर नाम की पैनल तैयार की है।

● उज्जैन में रायशुमारी, भोपाल से लगेगी मुहर

भारतीय जनता पार्टी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक उज्जैन में राय सोमारी का दौर चल रहा है लेकिन आखिरी मुहर भोपाल से ही लगेगी, भोपाल से ही शहर और जिला अध्यक्ष नाम की घोषणा होगी. हालांकि बीजेपी में यह देखने में आता है कि महामंत्री को आगे शहर और अध्यक्ष की कमान मिलती है, इसी तरह के समीकरण उज्जैन में भी देखने को मिल रहा है।

मुंबई हमले के मास्टरमाइंड मक्की की पाकिस्तान में मौत

● लाल किले पर हमले में भी शामिल था, 2023 में ग्लोबल आतंकी घोषित हुआ

लाहौर (एजेंसी)। मुंबई हमले के मास्टरमाइंड आतंकी अब्दुल रहमान मक्की की आज दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई है। मक्की पिछले कुछ दिनों से बीमार था। हाई शुगर की वजह से लाहौर के एक प्राइवेट अस्पताल में उसका इलाज चल रहा था। अब्दुल मक्की आतंकी हाफिज सईद का रिश्तेदार और आतंकी संगठन जमात-उद-दावा का डिप्टी चीफ भी था। उसे 2020 में आतंकी फंडिंग के लिए एक अदालत ने 6 महीने की सजा भी सुनाई थी। सजा के बाद उसने खुद को लो प्रोफाइल कर लिया था। 2023 में संयुक्त राष्ट्र ने उसे ग्लोबल आतंकी घोषित किया था। अब्दुल रहमान मक्की को हाफिज अब्दुल रहमान मक्की के नाम से भी जाता है।

नए साल के जश्न में मध्य प्रदेश पुलिस की शराबियों पर रहेगी पैनी नजर

उज्जैन। नए साल के जश्न को लेकर मध्य प्रदेश की पुलिस ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है, शराब परोसने वाले होटल, पब सहित अन्य स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से पुलिस मॉनिटरिंग करेगी, इसके अलावा अल्कोहल डिटेक्टर से भी वाहन चालकों की औचक चेकिंग की जाएगी, यह सब कुछ नए साल पर सड़क दुर्घटना रोकने के लिए किया जा रहा है। पुलिस मुख्यालय ने नए साल पर किसी भी प्रकार का हंगामा और हुड़दंग करने वालों पर नकल कसने के लिए अलग-अलग प्रकार से कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए हैं इन निर्देशों का धरातल पर पालन कराने की तैयारी भी शुरू हो गई है। उज्जैन एसपी प्रदीप कुमार शर्मा ने बताया कि उज्जैन में नए साल पर चेकिंग अभियान चलाया जाएगा, अल्कोहल डिटेक्टर के माध्यम से शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. इसके अलावा शराब परोसने वाले होटल और अन्य स्थानों के आसपास सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जा रहे हैं, जिसकी मॉनिटरिंग के जरिए हंगामा करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इंदौर और देवास में भी रहेगी सख्ती

देवास एसपी पुनीत गहलोत के मुताबिक हाईवे पर वाहनों की गति को नियंत्रित के साथ-साथ अल्कोहल डिटेक्टर के माध्यम से चेकिंग अभियान चलाया जाएगा, शराब पीकर वाहन चलाने वालों की गाड़ियां जब्त कर उन्हें हवालात की हवा खिलाई जाएगी. इंदौर पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने भी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को नए साल पर हंगामा रोकने के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

● पुलिस अधिकारियों ने की यह अपील

उज्जैन पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने लोगों से अपील की है कि वे नए साल के जश्न को धूमधाम से मनाएं लेकिन इस बात का जरूर ध्यान रखे कि नियम और कानून का पूरी तरह पालन करें. वाहन चालकों से कहा गया है कि वह शराब पीकर शराब या अन्य कोई नशा कर गाड़ी ना चलाएं. इसके अलावा वाहनों के पूरे दस्तावेज रखने के साथ ही सफर करें।

ट्रेन के पहियों के नीचे छुप कर 250 किमी तक किया सफर

जबलपुर। एक ऐसी चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसके बारे में जान कर आपके भी रोंगटे खड़े हो जाएंगे. यहां के एक युवक ने 250 किलोमीटर का सफर ट्रेन के नीचे पहियों के बीच में छिपकर तय किया. आरपीएफ ने युवक को हिरासत में ले लिया है, इटारसी से जबलपुर के बीच चलने वाली दानापुर एक्सप्रेस ट्रेन के पहियों के नीचे छुपकर एक युवक जबलपुर पहुंच गया. इस बात का खुलासा उस समय हुआ जब ट्रेन के S4 कोच की जांच के दौरान रेलवे के कर्मचारियों ने पहिये के नीचे एक युवक को छुपते हुए देखा. रेलवे कर्मचारियों ने इस बात की सूचना रेलवे पुलिस फोर्स को दे दी, जिसके बाद [illegible] ने युवक को हिरासत में ले लिया।

बिना टिकट ट्रेन के नीचे तय कर लिया सफर

बताया जा रहा है कि युवक के पास ट्रेन में सफर करने के पैसे नहीं थे, इसलिए उसने पहियों के बीच में छुपकर इटारसी से जबलपुर तक का सफर तय कर लिया, रेलवे के कर्मचारी जब ट्रेन की जांच कर रहे थे तो उन्हें पहिये के नीचे कुछ हरकत नजर आई, इसके बाद देखा गया तो वहां से बिना टिकट यात्री निकला, जान जोखिम में डालक शख्स कर रहा था ट्रेन का सफर,युवक के खतरनाक और जानलेवा सफर का वीडियो आया सामने,बोगी के नीचे बनी ट्रॉली में छुपकर युवक ने तय किया

रेलवे पुलिस फोर्स कर रही जांच

रेलवे की जनसंपर्क अधिकारी हर्षित श्रीवास्तव ने बताया कि यह घटना सामने आने के बाद पूरे मामले को गंभीरता से लिया गया है. इसके अलावा, सुरक्षा उपायों को और मजबूत करने के निर्देश जारी किए गए हैं. इस पूरे मामले में रेलवे पुलिस फोर्स आगे जांच कर कार्रवाई करेगी।

गजब शिक्षा विभाग, एक छात्र को पढ़ा रहे चार शिक्षक, एडमिशन 6 का लेकिन रेगुलर केवल एक

सतना। जिले की शिक्षा व्यवस्था के बुरे हालातों के किस्से तो आपने सुने ही होंगे। आलम ऐसा है कि किसी विद्यालय में बच्चे स्कूलों में गैर हाजिर है तो किसी विद्यालय में शिक्षक नहीं हैं। वहीं, किसी स्कूल में छात्र नहीं है तो किसी विद्यालय में शिक्षकों की भरमार है। एमपी में जहां शिक्षक स्कूल ज्वाइनिंग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। वहां, स्कूलों में शिक्षक ही शिक्षक हो सुनकर हैरानी हो रही होगी। लेकिन ऐसा नजारा सतना में हुआ है। मामला एमपी के सतना जिले अन्तर्गत नागौद जनपद के संकुल जसो में स्थित बमुराहिया गांव के शासकीय माध्यमिक विद्यालय का है। यहां केवल 6 बच्चों का दाखिला हुआ है, जिनमें से पांच बच्चे नाम मात्र के हैं। इनमें केवल एक बच्चा नियमित रूप से विद्यालय आता है। वहीं, विद्यालय के शिक्षकों की भरमार है। यहां 6 बच्चों को पढ़ाने के लिए चार शिक्षक पदस्थ है। बच्चों के नहीं आने से उन्हें भी मुफ्त का वेतन प्राप्त हो रहा है।

6 छात्रों में एक ही रेगुलर आ रहा स्कूल

विद्यालय में अध्ययन कर रहे 6 छात्रों में से एकमात्र छात्र प्रतिदिन अध्ययन के लिए विद्यालय आता है। वह भी वर्तमान समय में छमाही परीक्षा भी दे रहा है। ऐसा दृश्य देख जिले की शिक्षा व्यवस्था पर काफी सवाल खड़े कर रहा हैं। कुछ महीनों पहले इस विद्यालय में मर्जर की प्रक्रिया भी हुई, जिसमें अतिरिक्त शिक्षकों को हटाकर ऐसे स्थान पर तैनात किया गया जहां छात्रों की संख्या अधिक है।

एक छात्र पर चार शिक्षक मौजूद

शिक्षकों की राजनीति और विभाग की लापरवाही के कारण यहां चार में से किसी एक भी शिक्षक को नहीं हटाया गया। इसका परिणाम यह है कि एक विद्यार्थी के लिए चार शिक्षक विद्यालय में मौजूद है। आसपास के लोगों का कहना है कि जिले की शिक्षा व्यवस्था में दीमक लग चुका है और पूरे विभाग में अव्यवस्थाओं का माया जाल फैला हुआ है। जिले की शिक्षा व्यवस्था की यह स्थिति सरकार के खजाने को व्यर्थ ही उड़ा रही है।

सतना शिक्षा विभाग में सिंडिकेट कर रहा काम

जिला पंचायत सदस्य एवं समाजसेवी रितेश त्रिपाठी ने कहा कि जसो थाना अंतर्गत बामुरहिया में चार शिक्षक एक छात्र को पढ़ा रहे हैं। हालांकि इसी शहर में ऐसे भी कई स्कूल है जहां हजारों की संख्या में छात्र है और शिक्षक एक भी नहीं है। कुल मिलाकर ढाग के टीन वाली कंडीशन है। एक बहुत बड़ा सिंडिकेट शिक्षा विभाग में सतना में काम कर रहा है और इस सारी जनता की कमाई और सरकार की कमाई शिक्षा विभाग के अधिकारी और शिक्षक मिलकर खा रहे हैं। यही कारण है कि एमपी में स्कूलों का रिजल्ट रसातल पर जा रहा है। इसकी गंभीरता से जांच होनी चाहिए ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो जाये।

एटीएम को काटकर रुपए ले गए अपराधी, कैमरे पर किया ब्लैक स्प्रे

ग्वालियर। शहर में आपराधिक घटनाएं बढ़ती जा रही है। अपराधियों में पुलिस का खौफ नहीं है। आपराधिक वारदातों को अंजाम देने में बदमाश नहीं हिचक रहे हैं। शहर के बहोड़ापुर थाना क्षेत्र में बीती रात एक कार से आए बदमाश एटीएम को लूटकर ले गए हैं। इसका सीसीटीवी वीडियो सामने आया है।शहर के बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के आनंद नगर में भारतीय स्टेट बैंक के एक एटीएम में लूट की वारदात को अंजाम दिया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने जाकर देखा है। सीसीटीवी खंगाले तो पता चला कि लूट करने वाले सफेद रंग की कार से आए। ये एटीएम मशीन को काटकर उसमें रखे रुपए को लूटकर ले गए हैं।बताया जा रहा है कि बदमाशों ने खुद को बचाने के लिए एहतियात बरते हैं। पुलिस ने जांच के दौरान पाया गया कि आरोपियों ने एटीएम में घुसने से पहले कैमरों पर ब्लैक स्प्रे कर दिया था। ताकि उनकी पहचान न हो सके। बावजूद इसके ये लोग एटीएम मशीन के आसपास लगे कैमरों में कैद हो गए। जिसमें नजर आ रहा है कि एक सफेद रंग की कार से अपराधी आए थे और वारदात को अंजाम देकर निकल भी गए।

रात तीन बजे घटना को दिया अंजाम

यह घटना बीती रात लगभग 3 बजे की बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस ने अपराधियों को पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। पुलिस का कहना है जल्दी आरोपी उनकी गिरफ्त में होंगे।

रकम के बारे में जानकारी नहीं

फिलहाल अभी इस बात का पता नहीं चल सका है कि एटीएम में कितना पैसा रखा हुआ था। इस बात कई जानकारी बैंक कर्मियों के आने के बाद ही पता चल सकेगी। एक एटीएम में लेनदेन की राशि का ब्यौरा भी संबंधित बैंक अधिकारियों के पास ही होता है। पुलिस का कहना है कि बैंक के अधिकारियों को सूचना दे दी गई है। जल्दी ही पता लग जाएगा कि एटीएम में कितनी राशि थी।

कर्ज की दीवार पर देश में कहां खड़ा है मध्य प्रदेश

भोपाल। मध्य प्रदेश पर देश के कुल कर्ज का पांच प्रतिशत से ज्यादा है। मार्च के अंत तक (बजट अनुमान 2025) RBI के अनुसार, भारत में राज्य सरकारों का कुल बकाया कर्ज 93,93,317.5 करोड़ रुपए था। इसमें से मध्य प्रदेश का हिस्सा 4,80,976.0 करोड़ रुपए है। राज्य सरकार लगातार कर्ज ले रही है, जिस पर विपक्ष ने सवाल उठाए हैं। सरकार का कहना है कि यह कर्ज राज्य के विकास के लिए लिया जा रहा है। इस महीने सरकार ने 5000 करोड़ रुपए का कर्ज लिया है और महीने के अंत तक 5000 करोड़ रुपए का और कर्ज लेगी।

230 करोड़ रुपए इन चीजों पर खर्च किए- नवंबर में बनी नई सरकार को 3.5 लाख करोड़ रुपये का कर्ज विरासत में मिला था। वित्तीय तंगी के बावजूद, सरकार ने 230 करोड़ रुपए का विमान, मंत्रियों के लिए नई गाड़ियां और उनके बंगलों के नवीनीकरण पर खर्च किया है। इस बीच मध्य प्रदेश के बढ़ते कर्ज पर चिंता जताई जा रही है। [illegible] के आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2025 तक राज्य का कुल कर्ज 4,80,976.0 करोड़ रुपए हो गया है। यह देश के कुल कर्ज का पांच प्रतिशत से अधिक है।

नौवें स्थान पर है मध्य प्रदेश

कर्ज के मामले में मध्य प्रदेश देश में नौवें स्थान पर है। तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, आंध्र प्रदेश और गुजरात मध्य प्रदेश से आगे है। 2007 में राज्य का कर्ज 52,731.1 करोड़ रुपए था जो अब बढ़कर 4,80,976.0 करोड़ रुपए हो गया है। इस महीने सरकार 10,000 करोड़ रुपए का कर्ज ले रही है। पहले ही 5000 करोड़ रुपए का कर्ज लिया जा चुका है और 5000 करोड़ रुपए का और कर्ज लिया जाएगा।

इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए लिया जा रहा कर्ज

विधानसभा के शीतकालीन सत्र में विपक्षी कांग्रेस ने सरकार को कर्ज लेने पर घेरा। सरकार का तर्क है कि कर्ज राज्य के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए लिया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि हर कर्ज के लिए केंद्र सरकार की सहमति ली जाती है। कर्ज का इस्तेमाल राज्य में उत्पादक विकास कार्यक्रमों और परियोजनाओं के लिए किया जाता है। यह मुख्य रूप से विकास योजनाओं की लागत वहन करता है। भारत सरकार और अन्य स्रोतों से लिए गए ऋणों का उपयोग मुख्य रूप से राज्य के विकास और सिंचाई बांधों के निर्माण, परिवहन सेवाओं में सुधार, किसानों, स्थानीय निकायों जैसे तीसरे पक्षों को ऋण देने, बिजली उत्पादन को ऋण, बिजली परियोजना आदि जैसी लाभकारी संपत्तियों के निर्माण के लिए किया गया था।

3.5 लाख करोड़ रुपए का कर्ज विरासत में मिला

पिछले साल नवंबर में विधानसभा चुनावों के बाद बनी नई सरकार को 3.5 लाख करोड़ रुपए का कर्ज विरासत में मिला था। सरकार की प्रमुख वित्तीय जिम्मेदारियों में लाडली बहना योजना शामिल है, जिसके लिए हर महीने लगभग 1,600 करोड़ रुपए की आवश्यकता होती है।

युवा युग श्रेजेता शिविर एवं गायत्री महायज्ञ की तैयारी

शांतिकुंज हरिद्वार के प्रतिनिधि के साथ स्थान चयन व व्यवस्थाओं पर हुई चर्चा

भोपाल (नप्र)। भोपाल में आगामी युवा युग श्रेजेता शिविर की तैयारियां जोरों शोरों से चल रही हैं, जिसके संबंध में गायत्री शक्तिपीठ में शांतिकुंज हरिद्वार के प्रतिनिधि केदार प्रसाद दुबे की मौजूदगी में गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह शिविर नवंबर 2025 में भोपाल में आयोजित होगा, जिसके लिए स्थान चयन और प्राथमिक तैयारियों पर विस्तृत विचार विमर्श हुआ।

इसके साथ ही, शाम को प्रज्ञा पीठ बरखेड़ा में जिला स्तरीय अखंड ज्योति पाठक सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें अखंड ज्योति पाठकों का सम्मान किया गया। सम्मेलन में पाठकों ने अपनी अनुभूतियां साझा कीं और आरपी हजारी ने सदस्य विस्तार पर जोर दिया। साथ ही, 108 कुंडी गायत्री महायज्ञ की तैयारियां भी जोर-शोर से चल रही हैं, जो 13 से 16 जनवरी 2025 तक मंडीदीप में आयोजित किया जाएगा। भोपाल, मंडीदीप और औबेदुल्लागंज के गायत्री परिजन गांव-गांव, घर-घर अलख जगा रहे हैं। मंडीदीप में प्रतिदिन शाम को दीप यज्ञ की श्रृंखला संचालित हो रही है और प्रभात फेरियों के माध्यम से महायज्ञ का निमंत्रण दिया जा रहा है।

मनोज मीक बने राजा भोज एयरपोर्ट के सलाहकार सदस्य

हमारी प्राथमिकता यात्री अनुभव को बेहतर बनाना और वैश्विक मानकों पर खरा उतरना : मीक

भोपाल (नप्र)। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने शहरी विकास विशेषज्ञ, साहित्यकार और क्रेडाई भोपाल के अध्यक्ष मनोज मीक को राजा भोज हवाईअड्डा सलाहकार समिति का सदस्य नामांकित किया है। यह नियुक्ति मीक के लंबे समय से चले आ रहे विकास के योगदान को ध्यान में रखते हुए की गई है। इस अवसर पर मीक ने कहा, मैं अपने सांसद आलोक शर्मा का आभार व्यक्त करता हूँ और एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया का धन्यवाद करता हूँ। यह हमारा दायित्व है कि सांसद के मार्गदर्शन में भोपाल के हवाईअड्डे को ऐसा केंद्र बनाये जो न केवल शहर की जरूरतों को पूरा करे, बल्कि इसके आर्थिक और सांस्कृतिक विकास में भी योगदान दे। हमारी प्राथमिकता यात्री अनुभव को बेहतर बनाना और हवाईअड्डे को वैश्विक मानकों पर खरा उतारना है।

हवाईअड्डा की मौजूदा चुनौतियाँ

राजा भोज हवाईअड्डा मध्य भारत के प्रमुख हवाईअड्डों में से एक है, लेकिन इसकी प्रगति के लिए कई मुद्दों का समाधान आवश्यक है।

इंदौर को नए साल में मिलेगी सौगात : डेढ़ हजार करोड़ रुपये के विकास कार्य होंगे, बिछेगा नई सड़कों का जाल, मेट्रो का संचालन भी होगा

इंदौर। विकास के रन-वे पर टेकआफ के लिए तैयार खड़े इंदौर के लिए नया साल महत्वपूर्ण रहेगा। बीत रहे साल में इंदौर को नए ब्रिज मिले, लेकिन नए साल में सड़कों का जाल बिछेगा। इससे शहरवासियों की राह आसान होगी और बसाहट में भी तेजी आएगी। 400 करोड़ रुपये सड़कों के निर्माण पर खर्च होंगे। 17 किलोमीटर हिस्से में मेट्रो का संचालन भी होगा। पूरे शहर में नए साल में डेढ़ हजार करोड़ रुपये के विकास कार्य होंगे।

● 17 किलोमीटर हिस्से में मेट्रो का ट्रायल

-वर्ष 2025 में गांधी नगर से विजय नगर तक मेट्रो का संचालन शुरु करने की तैयारी है। इसके लिए आठ स्टेशन तैयार हो रहे है। मेट्रो के कोच भी आ चुके है। ट्रेक पर उनका ट्रायल भी हो रहा है। इसके अलावा मध्य हिस्से में मेट्रो ट्रेन का काम शुरू होगा।

- नए साल में मास्टर प्लान की 23 सड़कों का निर्माण शुरू होगा। इस प्रोजेक्ट पर 450 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके टेंडर हो चुके है। नए साल में काम शुरू होंगे।

-रीगल तिराहा से नेहरू प्रतिमा तक मॉडल रोड का निर्माण किया जाएगा। इस सड़क के फुटपाथों को भी सुंदर बनाया जाएगा।

- शहर में मुसाखेड़ी, आईटी पार्क, निरंजनपुर चौराहा, सत्यसांई चौराहा, लवकुश चौराहा, एमआर-10 जंक्शन के ब्रिज बनकर नए साल में तैयार हो जाएंगे।

- कुमेडी में नया बस स्टेशन नए साल में शुरू होगा। यहां राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश की तरफ से आने वाली बसों का संचालन होगा। इस स्टेशन से जनवरी में बसों का संचालन शुरू होगा।

- शहर में शामिल 29 गांवों के लिए भी प्रदेश सरकार ने पैकेज मंजूर किया है। इन इलाकों में सीवरेज लाइन और नर्मदा लाइन बिछाई जाएगी।

यह मिला शहर को वर्ष 2024 में

-वर्ष 2024 में शहर को चार नए ब्रिजों की सौगात मिली। खजराना, भंवरकुआ, फूठी कोठी और लवकुश ब्रिज शुरू हुआ।

-इंदौर विकास प्राधिकरण ने नायता मुंडला में नया बस स्टेशन तैयार किया है। बस स्टेशन से बसों का संचालन भी शुरू हो चुका है।

-शहर में डबल डेकर बसों के संचालन की शुरुआत हुई। ट्रायल के तौर पर दो बसें चली। 50 नई इलेक्ट्रिक बसें इंदौर को मिली।

- इंदौर एयरपोर्ट पर नया एटीसी टॉवर बनकर तैयार हुई। इसकी ऊंचाई ज्यादा है और आधुनिक संसाधनों के कारण विमानों के संचालन में आसानी होगी।

फ्लाईओवरों के निर्माण से हुआ फायदा, यातायात जाम से मिली निजात

इंदौर। फ्लायओवरों के निर्माण के चलते शहर के चार व्यस्त चौराहे सिग्नल फ्री हो गए हैं और सरपट यातायात दौडने भी लगा। खजराना चौराहा की दूसरी भुजा भी अभी पिछले दिनों चालू की गई और राऊ फ्लायओवर की भी दूसरी भुजा से कल से यातायात शुरू हो गया है। वहीं फूटी कोठी, भंवरकुआ और लवकुश चौराहा के फ्लायओवरों से भी यातायात अवरुद्ध नहीं हो रहा है। अगले दो वर्षों में जो एक दर्जन फ्लायओवर बनना है उससे शहर की यातायात समस्या काफी हद तक दूर होने की उम्मीद है।

लवकुश चौराहा पर प्राधिकरण फोरलेन के साथ-साथ डबलडेकर ब्रिज भी बना रहा है और अगले साल इस पर से भी यातायात शुरू कर दिया जाएगा, जिसके चलते सुपर कॉरिडोर, एयरपोर्ट से लेकर उज्जैन जाने वाले लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। अभी एक भुजा चालू कर देने से ही काफी फर्क पड़ गया है और जो भौंरासला चौराहा पर जाम लगा रहता था उससे काफी हद तक राहत मिल गई है। इसी तरह भंवरकुआ चौराहा का भी फ्लायओवर कुछ समय पूर्व शुरू हो गया और साथ ही में फूटी कोठी का भी, जिसके चलते यहां का यातायात भी सुगम हुआ और सबसे बड़ी राहत खजराना चौराहा पर मिल गई है, जहां पर अभी मेट्रो का काम भी चल रहा है।दूसरी तरफ फ्लायओवर निर्माण के चलते अधिकांश समय इस चौराहा पर यातायात जाम रहता था। मगर प्राधिकरण ने पहले एक भुजा और उसके बार फिर अभी दूसरी भुजा भी शुरू कर दी, जिसके चलते खजराना चौराहा से अब यातायात सुगम हो गया। उसी तरह बंगाली और पिपल्याहाना चौराहा के फ्लायओवर ने भी राहत दी और अब सिर्फ रोबोट चौराहा पर अवश्य यातायात का दबाव बढ़ जाता है। दूसरी तरफ नेशनल हाईवे ने पिछले दिनों राऊ चौराहा पर बने फ्लायओवर की एक भुजा शुरू की थी और दूसरी कल शुरू कर दी, जिसके चलते अब राऊ चौराहा से भी आवागमन सुगम हो गया है। दूसरी तरफ एमपीआरडीसी भी चार चौराहों पर फ्लायओवरों का निर्माण शुरू कर रही है, जिसमें निरंजनपुर और सत्यसांई पर बीआरटीएस कॉरिडोर पर ये फ्लायओवर बन रहे हैं, तो आईटी पार्क, खंडवा रोड के अलावा नेशनल हाईवे द्वारा भी एमआर-10 सहित बायपास पर फ्लायओवर बनवाए जा रहे हैं। प्राधिकरण द्वारा बड़ा गणपति सहित अन्य चौराहों पर फ्लायओवर निर्मित करने जा रहा है, जिसके चलते अगले दो साल में शहर के अधिकांश व्यस्त चौराहे लगभग सिग्नल फ्री हो जाएंगे।

व्यापारियों ने शुरू किया नकदी लेन-देन, इंदौर में ही बीते कुछ दिनों में कई छोटी-बड़ी घटनाएं हो चुकी है

इंदौर। एक तरफ केन्द्र सरकार लगातर केशलेस भुगतान पर जोरदार देती रही, जिसके चलते ऑनलाइन पेमेंट भी बढ़ रहा है। वहीं अब साइबर फ्रॉड के चलते लोग ऑनलाइन पेमेंट से घबराने भी लगे हैं कि पता नहीं कब जरा-सी चूक के चलते उनका बैंक खाता ही खाली हो जाए। यही स्थिति इंदौर के व्यापारियों की है। उन्होंने अब यूपीआई से पेमेंट स्वीकार करने की बजाय नकद लेन-देन शुरू किया है और अपनी दुकानों-फर्मों पर इस आशय की तख्तियां भी लगा दीं कि कृपया यूपीआई से पेमेंट न करें और नकद ही दें। शहर के कई व्यापारिक संगठनों ने इसकी शुरुआत कर दी। राजवाड़ा क्षेत्र में स्थित रेडिमेड गारमेंट व्यापारियों ने भी इसकी शुरुआत कर दी और इंदौर रिटेल गारमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष ने बकायदा इसका आव्हान भी किया। दूसरी तरफ सराफा व्यापारियों एसोसिएशन से लेकर अन्य व्यापारिक संगठनों द्वारा भी अब ऑनलाइन पेमेंट से बचा रहा है।

एक तरफ आम आदमी साइबर फ्रॉड की लगातार बढ़ रही घटनाओं और यहां तक कि अब तो मोबाइल कॉल पर भी साइबर फ्रॉड से बचने की सलाह इंदौर पुलिस द्वारा दी जा रही है और इंदौर में ही बीते कुछ दिनों में कई छोटी-बड़ी घटनाएं हो चुकी है, जिसमें डिजीटल अरेस्ट से लेकर कई लोगों के बैंक खातों से बड़ी राशि निकल गई। दरअसल, आज-कल मोबाइल पर सुबह से रात तक हर काम किए जाते हैं और कई तरह की जानी-अनजानी लिंक आती है, जिसे खोलने की गलती भारी पड़ जाती है। लोगों का कहना है कि इससे कैसा बचा जाए, क्योंकि सरकार के पास साइबर फ्रॉड से निपटने के पुख्ता बंदोबस्त ही नहीं है। दूसरी तरफ रेडिमेड कपड़ा व्यापरियों ने तो इंदौर में यूपीआई से पेमेंट लेना ही बंद कर दिया। वे नकदी या क्रेडिट कार्ड से ही पेमेंट ले रहे हैं। इंदौर रिटेल गारमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष अक्षय जैन का कहना है कि एक तरफ सरकार लगातार केशलेस ट्रांजेक्शन, ई-ट्रांजेक्शन, ऑनलाइन पेमेंट पर जोर देती रही, दूसरी तरफ साइबर फ्रॉड को रोकने के लिए कोई पुख्ता इंतजाम या पॉलिसी ही नहीं है। रोजाना आम जनता से लेकर व्यापारी भी साइबर फ्रॉड के शिकार हो रहे हैं और रिपोर्ट दर्ज कराने के बाद भी अधिकांश को उनकी राशि वापस नहीं मिलती है। लिहाजा सारे गारमेंट व्यापारियों ने तय किया कि वे अपनी दुकानों पर नोटिस चस्पा करेंगे और नकद में ही लेन-देन किया जाएगा।वहीं सरकार से भी आग्रह किया गया है कि साइबर फ्रॉड को रोकने के ठोस कदम उठाए और व्यापारियों की सुरक्षा के साथ ग्राहकों को भी परेशानी न हो। रेडिमेड गारमेंट की तरह ही सराफा व्यापारी एसोसिएशन, रानीपुरा, सियागंज, जेल रोड से लेकर तमाम व्यापारिक क्षेत्रों में भी अब यूपीआई खाते से पेमेंट लेना कम किया जा रहा है। इन छोटे-बड़े व्यापारियों का कहना है कि यूपीआई से भुगतान करने वाले उपभोक्ता का आगे किस-किस चैन से ट्रांजेक्शन हुआ है और अगर कोई शिकायत होती है तो बैंक द्वारा खाते ही ब्लॉक कर दिए जाते हैं, जिसके चलते व्यापारियों के लिए बड़ी मुसीबत है। कई व्यापारियों ने चेक जारी कर दिए और अगले दिन पता चला कि उनका चेक बाउंस हो गया और पूछने पर बैंक ने बताया कि साइबर फ्रॉड की शिकायत के चलते उनका खाता ब्लॉक कर दिया है। इस तरह की शिकायतें लगातार बढ़ती जा रही है, क्योंकि एक बार बैंक अगर खाता ब्लॉक करती है तो फिर वह आसानी से रिलीज भी नहीं होता। आरबी आई से लेकर तमाम जगह शिकायतें करना पड़ती है, जिसके चलते ऑनलाइन या यूपीआई से पेमेंट लेना अब व्यापारियों को सजा लगने लगा है और उन्हें यह भी डर है कि पता नहीं किस पेमेंट के चलते उनका बैंक खाता ब्लॉक हो जाए। यही कारण है कि अब नकद ही भुगतान लेने की शुरुआत की गई है। अभी तक दुकानों पर यूपीआई या पेटीएम से भुगतान करने की तख्तियां नजर आती थी, उसकी जगह अब यूपीआई से पेमेंट न करने और नकद देने का अनुरोध किया जा रहा है।

कौशल विकास संचालनालय एवं इंडो जर्मन इनीशिएटिव फॉर टेक्निकल एजुकेशन के मध्य हुआ एमओयू

इंदौर। मध्यप्रदेश में तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास को नई दिशा देने के लिए कौशल विकास संचालनालय और सीमेंस लिमिटेड के बीच इन्डो-जर्मन इनिशिएटिव फॉर टेक्निकल एजुकेशन प्रोग्राम के दूसरे चरण के तहत द्विपक्षीय समझौता संपन्न हुआ। इस अवसर पर कौशल विकास संचालनालय के संचालक गिरीश शर्मा (आईएएस) और सीमेंस लिमिटेड के धर्मवीर सिंह ने इस समझौते का आदान-प्रदान किया। IGnITE प्रोग्राम, जो जर्मन ड्यूल वीईटी (दोहरे व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण) मॉडल पर आधारित है। इस प्रोग्राम के तहत प्रदेश के चार प्रमुख इंडस्ट्री क्लस्टर–ग्वालियर/शिवपुरी, जबलपुर/कटनी, सागर/दमोह और रीवा/सतना के अंतर्गत 40 शासकीय आईटीआई का चयन किया गया है। इन संस्थानों में 10 प्रमुख ट्रेड्स, जैसे इलेक्ट्रीशियन, इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक, फिटर, टर्नर, और वेल्डर के छात्रों को उद्योग आधारित ÷इन-प्लांट ट्रेनिंग÷ दी जाएगी। सीमेंस लिमिटेड के विशेषज्ञ न केवल इन ट्रेड्स के छात्रों को प्रशिक्षण देंगे, बल्कि आईटीआई के प्राचार्यों, प्रशिक्षण अधिकारियों और ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट ऑफिसर्स की क्षमता निर्माण पर भी काम करेंगे। यह प्रोग्राम उद्योगों की जरूरतों और छात्रों के कौशल के बीच पुल का काम करेगा, जिससे युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकेंगे। इसके अलावा, सीमेंस फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड और कौशल विकास संचालनालय के बीच एक अन्य महत्वपूर्ण समझौता भी संपन्न हुआ। इस समझौते के तहत उज्जैन स्थित शासकीय संभागीय आईटीआई में एक अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी लैब स्थापित की जाएगी। यह लैब डिज़ाइन, सीएनसी प्रोग्रामिंग, 3डी प्रिंटिंग और डिजिटल टेक्नोलॉजीज के माध्यम से कौशल विकास को नई दिशा प्रदान करेगी। यह पहल प्रदेश के युवाओं को वैश्विक मानकों पर आधारित तकनीकी प्रशिक्षण देकर उन्हें प्रतिस्पर्धी बनाने का प्रयास है।

उज्जैन स्थित शासकीय संभागीय आईटीआई में स्थापित होने वाली मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी लैब को सीमेंस फाइनेंशियल सर्विसेज के सीएसआर से बनाया जायेगा। यह लैब औद्योगिक डिजिटलीकरण और उन्नत तकनीकों का केंद्र बनेगी। इसमें छात्रों को डिज़ाइन और मॉडलिंग कौशल विकसित करने के लिए सीएडी तकनीक का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके साथ ही, सी एन सी प्रोग्रामिंग और सिमुलेशन का व्यावहारिक अनुभव फिजिकल और वर्चुअल सिमुलेटर्स के माध्यम से प्रदान किया जाएगा। लैब में एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, 3ष्ठ प्रिंटिंग की अत्याधुनिक तकनीकों पर भी प्रशिक्षण दिया जाएगा, जो छात्रों को उत्पाद निर्माण की नई प्रक्रियाओं से परिचित कराएगा। इसके अलावा, डिजिटल कौशल और इंडस्ट्री 4.0 के अनुरूप आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर, छात्रों को भविष्य के उद्योगों की जरूरतों के लिए तैयार किया जाएगा।

श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण का परिचय सम्मेलन कल

● जीवनसाथी की तलाश में एकत्र होंगे देश-विदेश के 1600 से ज्यादा युवक-युवतियां ● जीरो वेस्ट आयोजन में व्यवस्था के लिए 200 लोगों की टीम रहेगी तैनात ● समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष व उद्योगपति ओमप्रकाश करेंगे शुभारंभ

इंदौर। श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण नगरसभा इंदौर द्वारा आयोजित अखिल भारतीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन में रविवार को जीवनसाथी की तलाश में 1600 से ज्यादा युवक-युवतियां एकत्र होंगे। यह सम्मेलन शहर के गुरु अमरदास हॉल में आयोजित होने जा रहा है। इसमें देश-प्रदेश के अलावा विदेशों में रहे प्रतिभागियों के साथ ही उनके अभिभावक भी शामिल होंगे। सम्मेलन का शुभारंभ समाज के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष व उद्योगपति ओमप्रकाश जोशी, राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष माया राजेश त्रिवेदी एवं युवक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष उद्योगपति अनिल जोशी दीप प्रज्जवलित कर करेंगे।

श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण नगर सभा इंदौर के अध्यक्ष वीरेंद्र व्यास एवं परिचय सम्मेलन के संयोजक शिक्षाविद के.सी. शर्मा ने बताया कि परिचय सम्मेलन को लेकर समाज के युवक-युवतियों में बहुत उत्साह है। देश के साथ विदेशों में रहे समाजजनों से हमें 1600 से ज्यादा विवाह योग्य युवक-युवतियों की प्रविष्टियां प्राप्त हुई हैं। इस अवसर पर युवक-युवतियों की जानकारी वाली 400 पृष्ठ की एक रंगीन परिचय पुस्तिका %सुप्रयास का प्रकाशन भी किया जा रहा है जिसमें प्रतिभागी युवक-युवतियों का परिचय विस्तार से दिया गया है।

नगर सभा के प्रधानमंत्री कमलेश तिवारी ने बताया कि सम्मेलन में अखिल भारतीय श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण महासभा के नव निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश जोशी, महिला महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती माया राजेश त्रिवेदी तथा युवक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष उद्योगपति अनिल जोशी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वरिष्ठ पत्रकार, दैनिक स्वदेश के प्रधान संपादक श्री राजेन्द्र शर्मा, अखिल भारतवर्षीय श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण महासभा, म.प्र. इकाई के प्रदेश अध्यक्ष पं. राजेश त्रिवेदी, अखिल भारतवर्षीय श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण महासभा, म.प्र. इकाई के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष पं. राजेश तिवारी, अखिल भारतवर्षीय श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण महासभा, म.प्र. इकाई के राष्ट्रीय प्रभारी श्री ओमप्रकाश उपाध्याय, अखिल भारतवर्षीय श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण महासभा, म.प्र. इकाई के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री कमलेश भट्ट सम्मेलन के विशेष अतिथि रहेंगे।

जीरो वेस्ट होगा पूरा कार्यक्रम, 200 लोग संभालेंगे व्यवस्था

समाज के उपाध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय ने बताया कि देश के सबसे स्वच्छ शहर में होने वाला यह एक दिवसीय आयोजन जीरो वेस्ट होगा। इसमें किसी भी तरह के डिस्पोजेबल सामान का उपयोग नहीं किया जाएगा। स्वागत-सत्कार में भी इस बात का पूरा ध्यान रखा जाएगा। कार्यक्रम में समाज के 200 लोगों की टीम पूरी व्यवस्था संभालेगी। कार्यक्रम समाप्ति के बाद समाजजन पूरे परिसर की सफाई भी करेंगे।

जिले में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत शहर और गाँवों में लगाए गए लगभग साढ़े पांच सौ शिविर

इस शिविर में समस्याओं के निराकरण और शासकीय सुविधाओं का लाभ देने के लिए 17 हजार 673 नागरिकों के आवेदन किए गए निराकृत

इंदौर। जिले में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार नागरिकों की समस्याओं के निराकरण और शासकीय सुविधाओं का लाभ देने के लिए शहर और गाँवों में लगभग साढ़े पांच सौ शिविर लगाये गए। इन शिविरों में नागरिकों द्वारा कुल 20 हजार 589 आवेदन दिये गए। इनमें से 17 हजार 673 नागरिकों के आवेदन स्वीकृत किये गए। शेष आवेदनों के निराकरण की प्रक्रिया जारी है। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान का जिले में 26 जनवरी तक क्रियान्वयन किया जाएगा।

कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशन में जिले में जनकल्याण अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। बताया गया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप जिले में 11 दिसम्बर से जनकल्याण अभियान प्रारंभ किया गया है। इस अभियान के तहत जिले में ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायतों में तथा शहरों में वार्डवार शिविर निर्धारित तिथियों में लगाये जा रहे हैं। अभी तक जिले में 540 शिविर आयोजित किए जा चुके है। इनमें से इंदौर शहर के वार्डों में 85 शिविर लगाए जा चुके है। इसी तरह जनपद पंचायत देपालपुर में 108, सांवेर जनपद में 81, महू जनपद में 78, इंदौर जनपद में 67 शिविर लगाए गए हैं। इसी प्रकार सभी आठों नगर परिषदों में 15-15 शिविर आयोजित किए गए हैं। उक्त शिविरों में कुल 20 हजार 589 आवेदन प्राप्त हुए है, इनमें से 17 हजार 673 आवेदनों का निराकरण कर दिया गया है। अपात्रता होने से 145 आवेदन निरस्त किए गए है। शेष आवेदनों के ?निराकरण की प्रक्रिया जारी है। बताया गया कि जनकल्याण अभियान में आमजन से जुड़ी 63 शासकीय सेवाओं का लाभ नागरिकों तक सीधा पहुँचाया जा रहा है। साथ ही 45 हितग्राही मूलक योजनाओं के तहत भी नागरिकों के प्रकरण तैयार किए जा रहे है। कलेक्टर आशीष सिंह ने सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि यह अभियान राज्य शासन का अतिमहत्वपूर्ण अभियान है, इस अभियान को पूर्ण गंभीरता से लिया जाए, अधिक से अधिक नागरिकों को इस अभियान के माध्यम से लाभ दिया जाए। अभियान के क्रियान्वयन में किसी भी तरह की कोताही नहीं बरती जाये। उन्होंने अभियान के तहत सीएम हेल्पलाइन के अधिक से अधिक प्रकरणों को भी समय-सीमा में निराकृत करने के निर्देश दिए हैं। बताया गया कि शिविरों में आवेदकों की सामाजिक सुरक्षा पेंशन स्वीकृत की जा रही है। जिले में श्रमिकों का पंजीयन विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए किया जा रहा है। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत आवेदकों के नए कार्ड बनाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना के तहत प्रकरण तैयार किए जा रहे हैं।

ये कैसे कांग्रेसी..राजकीय शोक के बीच अपने ही नेता को श्रद्धांजलि देने की बजाय भोंडा प्रदर्शन कर बैठे

इंदौर। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के उपलक्ष्य में देशभर में राजकीय शोक घोषित किया गया है। इस कारण शासकीय और अन्य सार्वजनिक कार्यक्रम स्थगित कर दिए गए हैं। डॉ. सिंह का देश के विकास में योगदान और उनकी गहरी सोच ने भारत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाई। हालांकि, इस दुखद अवसर पर कांग्रेस पार्टी की एक गतिविधि ने हैरानी पैदा की। श्रद्धांजलि देने के बजाय, कांग्रेस ने मध्य प्रदेश के इंदौर में कृष्णपुरा छत्री पर भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ भोंडा प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में कांग्रेस नेताओं ने भाजपा सरकार की कथित विफलताओं को उजागर करने का प्रयास किया। यहां तक कि उन्होंने भाजपा का दुपट्टा पहनकर सरकार की उपलब्धियों पर व्यंग्य किया।

निगम के सहायक दरोगा को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा

इंदौर। लोकायुक्त की टीम ने नगर निगम के सहायक दरोगा को 5 हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों से गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई वार्ड क्रमांक 79, झोन-21 में की गई। सहायक दरोगा रोहित पथरोड़ पर आरोप है कि उसने रेट कीपर के पद पर पदस्थ कर्मचारी यश से दो माह के लंबित वेतन को रिलीज कराने और ड्राइवर के पद पर कार्यरत रखने के बदले रिश्वत की मांग की थी।मामले में डीएसपी लोकायुक्त आरडी मिश्रा ने बताया कि, फरियादी यश ने शिकायत की थी कि आरोपी उसे लंबे समय से परेशान कर रहा था और 5 हजार की रिश्वत के बिना काम आगे बढ़ाने से इनकार कर रहा था। मामले की जांच के बाद लोकायुक्त पुलिस ने ट्रैप दल का गठन किया और आरोपी को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया।डीएसपी आरडी मिश्रा ने कहा कि मामले को लेकर यश ने लोकायुक्त पुलिस की शरण ली। लोकल पुलिस ने ट्रेप दल का गठन कर आरोपी रोहित पथ रोड को 5 हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया है। जिस पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

एक के बाद एक चाकू से किए ताबड़तोड़ वार, मौके पर तोड़ा दम, दिनदहाड़े मर्डर

इंदौर। इंदौर में सरेराह एक युवक की हत्या कर दी। आरोपी ने चाकू से युवक पर एक के बाद एक तबाड़तोड़ वार किये। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या का कारण फिलहाल अज्ञात बताया जा रहा है। यह पूरी घटना परदेशीपुरा थाना क्षेत्र की है। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी हुई है। परदेशीपुरा इलाके के खटके बाली गली में शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे एक हत्या की वारदात हुई। जिसके सीसीटीवी भी सामने आए है। जिसमें सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि एक व्यक्ति को बदमाश ने चाकू से बार-बार गोदकर हत्या कर दी। इस घटना ने इलाके में दहशत फैला दी है। मृतक की पहचान विनोद राठौर के रूप में हुई है।सरेराह हुई इस वारदात का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जिसमें देखा जा सकता है कि आरोपी बीच सड़क पर चाकू से लगातार हमला कर रहा है। वहीं आसपास से लोग गुजर रहे है, लेकिन कोई भी बचाने की कोशिश नहीं करता है। आरोपी ने विनोद की हत्या किस लिये और क्यों कि इसका कारण फिलहाल अज्ञात है।घटना की सूचना मिलते ही परदेशीपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। पुलिस के मुताबिक, विनोद पर हमलावर ने कई बार चाकू से हमला किया और उसके बाद मौके से फरार हो गया। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद पुलिस ने जांच तेज कर दी है। अभी तक हत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है, हालांकि जानकारी मिली है कि मृतक विनोद राठौर शराब पीने का आदी था। परदेशीपुरा पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

निगम की सफाई कर्मी और भिक्षावृत्ति

इंदौर। भिक्षा मुक्त शहर इंदौर में ही हाईटेक भिखारी और निगम की महिला सफाई कर्मी द्वारा भिक्षावृत्ति का मामला सामने आया है। दोनों ही मामले में महिला एवं बाल विकास विभाग ने दोनों को उज्जैन के सेवा धाम आश्रम भेज दिया है।सरोज पति भैय्यालाल नगर निगम के जोन 20 के वार्ड 6 की सफाईकर्मी है। गुरुवार से लापता सरोज को परिवार ने तलाशना शुरू किया था, वहीं 4 दिन तक काम पर नहीं आने पर निगम के अधिकारी भी तलाशी में जुट गए थे। सरोज ने बताया उस दिन वह निगम की सफाई कर्मी की साड़ी (ड्रेस) नहीं पहने हुए थी, झाड़ू लगाने के बाद थककर मंदिर के नजदीक छांव में बैठी हुई थी। रेस्क्यू वाली टीम से कहती रही कि वह भिखारी नहीं है, खुद को निगमकर्मी भी बताया, लेकिन महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम ने एक नहीं सुनी। आरोप लगने के बाद महिला एवं बाल विकास विभाग ने सरोज का भीख मांगते हुए वीडियो जारी किया था। 7 दिन बाद उज्जैन के सेवा धाम आश्रम से परिजन उसे छुड़ाकर घर ले आए।वहीं एक अन्य मामले में भिक्षुक मुक्त इंदौर के लिए जिला प्रशासन की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में 58 वर्षीय एक और भिक्षुक से 48 हजार रुपए नकद मिला है। आंध्र प्रदेश के कुरनूल से इंदौर आकर भिक्षावृत्ति करता था। कुरनूल से आने जाने के लिए बाकायदा ट्रेन में रिजर्वेशन करवाता था। भिक्षुक के बैग से ट्रेन के रिजर्वेशन का टिकट और रिजर्वेशन फॉर्म भी बरामद हुआ है। कुरनूल जाने से पहले महिला बाल विभाग के परियोजना अधिकारी की टीम से उसे पकड़ा और कार्रवाई के बाद उज्जैन के सेवाधाम आश्रम भेज दिया।

युगपुरुष धाम आश्रम की मान्यता रद्द, 10 बच्चों की मौत के बाद प्रशासन ने उठाया कदम

इंदौर। शहर में संचालित युग पुरुष बौद्धिक विकास केंद्र (युगपुरुष धाम आश्रम) की मान्यता शासन ने रद्द कर दी है। सामाजिक न्याय विभाग संचनालय द्वारा मान्यता निरस्त करने का आदेश जारी किया गया है। आश्रम में 10 बच्चों की मौत के बाद कलेक्टर इंदौर ने जांच के आदेश जारी किए थे। जांच में कई लापरवाही सामने आई थी। बच्चों के खाने पीने को लेकर गंभीर लापरवाही मिली थी।युगपुरुष धाम आश्रम सरकारी अनुदान प्राप्त करने वाला निजी आश्रम है। वहां प्रदेश से करीब 200 से अधिक मानसिक-शारीरिक दिव्यांग अनाथ बच्चों को रखा जाता था। युगपुरुष धाम आश्रम पर दिव्यांग बच्चों के आश्रम के अलावा अस्पताल भी संचालित किया जाता है। वहां करीब हर तरह के प्राथमिक उपचार की सुविधा उपलब्ध होने का दावा किया जाता था। पिछले दो महीनों में आश्रम के 10 बच्चों की मौत हुई थी। बच्चों में खून की कमी और इंफेक्शन के कारण मौत की बातें सामने आई थी।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, शनिवार 28 दिसंबर , 2024

संपादकीय

बेकाबू होती जा रही महंगाई...

महंगाई गंभीर समस्या बनती जा रही है और बाजार में उतार-चढ़ाव के तौर पर देखी जाने वाली स्थितियां अब आम रहने लगी हैं। एक दौर था, जब लोग कुछ समय तक महंगाई की चुनौतियों का सामना कर लेते थे। अब महंगाई में निरंतरता बनी हुई है, खर्च की चादर फैलती जा रही है। ठंड के मौसम में हरी सब्जियां बाजार में दिखती हैं और अमूमन उनकी कीमत ऐसी रहती है कि लोग खर्च कर सकें, लेकिन इस साल ऐसा नहीं है। गोभी, पालक, भिंडी, टमाटर, प्याज, लहसुन, मटर जैसी सब्जियों के दाम ज्यादा होने से आम लोगों का बजट प्रभावित हो रहा है।

सब्जी विक्रेताओं के मुताबिक, बड़े कारोबारियों की जमाखोरी के कारण महंगाई की नौबत आई है। विवाह आयोजनों के लिए खरीद हो रही है और छोटे विक्रेताओं तक आवक कम हो रही है। इस बार हरी सब्जियों की पैदावार भी कम हुई है।

हकीकत यह है कि पिछले कुछ वर्षों से रोजी-रोजगार की फिक्र में लोग यह भी भूलते जा रहे हैं कि उनकी थाली में न्यूनतम चीजें क्या-क्या होनी चाहिए। यह नौबत आ गई है कि अर्थव्यवस्था के चमकते आंकड़ों की चकाचौंध के बीच बहुत सारे लोगों को खाने-पीने की चीजों में भी कटौती करनी पड़ रही है। यह सोचने की जरूरत है कि आर्थिक विकास के दावों के दायरे में कौन है। क्यों थाली महंगी हो रही है।

जरूरी सामानों के साथ ही खाद्य पदार्थों की बढ़ी हुई कीमतों ने पहले ही आम लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों को प्रभावित करना शुरू कर दिया था। मुश्किल सिर्फ सब्जियों तक नहीं सिमटी है। इसका असर दूसरे खाद्य पदार्थों पर भी पड़ा है और

खरीदारी के वक्त भी लोगों को अब थोड़ा रुक कर सोचना पड़ रहा है।

यह दुखद स्थिति है कि आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर कदम बढ़ाने का दावा करने के क्रम में इस पक्ष की अनदेखी की जा रही है कि लोग जीने के लिए जो भोजन कर रहे हैं, उसके लिए उन्हें कितना सोचना पड़ रहा है। देश की गरीब आबादी के सामने किस तरह की चुनौतियां खड़ी हैं, यह समझना बहुत मुश्किल नहीं है।

रुपए की कीमत लगातार कम होते जाने की वजह से भी महंगाई पर काबू पाने में मुश्किलें आ रही हैं। महंगाई की हकीकत और सरकारी आंकड़ों में विरोधाभास दिख रहा है। दो दिन पहले सरकार का आंकड़ा सामने आया कि महंगाई दर में गिरावट हुई है और दावा किया गया कि खुदरा बाजार में स्थिति संभलने लगी है, लेकिन हकीकत कुछ और है। दरअसल, खुदरा बाजार का तंत्र जरूरी नहीं कि थोक बाजार से ही नियंत्रित हो या उसके जरिए ही संचालित हो। एक बड़ी वजह यह है कि आयात और निर्यात नीति पर संतुलित तरीके से ध्यान नहीं दिया जाता।

हाल में आयात और निर्यात के जो आंकड़े सामने आए हैं, उनसे यह स्पष्ट है। व्यापार घाटा बढ़ा है। इससे महंगाई बढ़ती ही है। महंगाई पर काबू पाने के लिए वस्तुओं के विपणन, भंडारण और आयात पर तर्कसंगत नजरिए से काम होना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि केंद्रीय बैंक व सरकार के प्रयासों के बावजूद खुदरा महंगाई पर नियंत्रण के लक्ष्य हासिल नहीं हो सके हैं। तमाम उपायों के बावजूद बिचौलियों पर काबू नहीं पाया जा सका है। नीतिगत स्तर पर इसके लिए ठोस उपाय करने होंगे।

उर्दू नाटकों ने 2024 में रूढ़ियों को तोड़ते हुए सांस्कृतिक जुड़ाव को बढ़ावा दिया

साल 2024 में दक्षिण एशिया में कहानी कहने की कला एक नए मुकाम पर पहुंची है। दर्शकों ने उन बेबाक कहानियों को खूब पसंद किया है, जिन?होंने नियमों को चुनौती दी और ज?यादा गहरे मानवीय संबंधों, सामाजिक जटिलताओं तथा सार्वभौमिक भावनाओं को खोजा है। यह साल भारत में पाकिस्तानी प्रतिभाओं को पसंद किये जाने के मामले में भी महत?वपूर्ण रहा है। फवाद खान, सनम सईद, हानिया आमिर, बिलाल अब?बास और सबा क़मर जैसे सितारों ने दिलों को जीता है। विवादों और प्रतिबंध की मांग के बावजूद, खासकर ज़िन्दगी ओरिजिनल बरज़ख़ के साथ जो हुआ, इन कहानियों ने रूढ़ियों को तोड़ा और सार्थक बातचीत को बढ़ावा दिया। इन?हें दुनिया भर से सराहना भी मिली और यही ताकत कहानी कहने की कला में होती है।

यातायात व्यवस्था के सुधार हेतु कार्यवाही जारी

इंदौर। कलेक्टर आशीष सिंह एवं नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा के निर्देशन में यातायात सुधार एवं यातायात को सुगम बनाने की दृष्टि से आज झोन क्रमांक 01 के अन्तर्गत छप्पन दुकान से पलासिया चौराहा तक फुटपाथ हटाने की कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान रोड़ के किनारे स्थित दुकानों के बाहर टीन शेड, ओटले और फुटपाथ से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। यातायात के सुधार एवं सुगमता बनाने नगर निगम, जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग की टीम द्वारा दुकानों पर लगे हुए टीन शेड,ओटले तथा फुटपाथ पर बने निर्माण को हटाने की कार्यवाही की गई।

राज्य जलमार्ग परिवहन समिति का गठन

इंदौर। मध्यप्रदेश शासन ने राज्य में जलमार्ग परिवहन के विकास और प्रबंधन के लिए राज्य जलमार्ग परिवहन समिति का गठन किया है। यह समिति भारत सरकार के पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय के निर्देशानुसार बनाई गई है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार समिति में मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन को अध्यक्ष और अपर मुख्य सचिव, परिवहन विभाग एवं IWAI द्वारा मनोनीत सदस्य को सदस्य सचिव के रूप में शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त उपाध्यक्ष नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण, पर्यटन विभाग के अपर मुख्य सचिव, लोक निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव, मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग के प्रमुख सचिव, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के सदस्य अभियांत्रिकी, पश्चिम रेल्वे भोपाल द्वारा मनोनीत सदस्य और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के क्षेत्रीय अधिकारी को सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है।

झूलती केबलों को हटाने के लिए बनेगी गाइडलाइन

इंदौर। बाजार और प्रमुख चौराहों पर झूलती केबलों को हटाने के लिए पिछले दिनों नगर निगम ने अभियान चलाया था, लेकिन कई क्षेत्रों में केबलों के कारण व्यवस्थाएं प्रभावित हो रही थीं। इसी के चलते अब निगम- विद्युत मंडल के अधिकारी भविष्य के मान से इसको लेकर गाइड लाइन तैयार करने वाले हैं। 15 बिंदु तय किए जाना है और उसी के मान से काम होगा और फिर झूलती केबलें हटाने का अभियान शुरू किया जाएगा। कुछ दिनों पहले नगर निगम विद्युत यांत्रिकी विभाग की टीम ने आरएनटी मार्ग से लेकर जवाहर मार्ग और अन्य हिस्सों में सडक़ों के किनारे और चौराहों पर झूलती केबलों को हटाने की कार्रवाई की थी। कई केबल आपरेटरों ने इसका विरोध किया था।उनका कहना था कि हमें पर्याप्त समय दिया जाए, वे खुद ही ऐसी अनुपयोगी केबलें हटा लेंगे। उसके बाद से निगम का अभियान बंद हो गया और अब बाजारों में झूलती केबलों को लेकर नगर निगम और विद्युत यांत्रिकी विभाग एक गाइडलाइन तैयार करने जा रहा है।नगर निगम के अपर आयुक्त नरेंद्र पांडे के मुताबिक इस मामले में आने वाले दिनों में विद्युत मंडल के अफसरों के साथ बैठक होगी, जिसमें प्रमुख चौराहों और बाजारों में झूलती केबलें और उनकी रिंगों को किस प्रकार हटाया जाए, इसके साथ-साथ वहां आसपास के हिस्सों में अगर कोई डक्ट बनी है तो उसे वहां शिफ्ट करने और केबलें हटाने के साथ-साथ उन्हें पोल टू पोल कनेक्ट किए जाने के साथ-साथ अनुपयोगी केबलों को हटाने से लेकर कई अन्य मुद्दे रहेंगे।

मुफ्त की चुनावी घोषणायें बिगाड़ रहीं हैं आर्थिक सेहत

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने कहा था, ऐसी योजनाएं जिनसे क्रेडिट कल्चर कमजोर हो, सब्सिडी की वजह से कीमतें बिगड़ें, प्राइवेट इन्वेस्टमेंट में गिरावट आए और लेबर फोर्स भागीदारी कम हो तो वो फ्रीबीज होती हैं। वर्ष 2022 पिछले साल आरबीआई की भी एक रिपोर्ट आई थी। इसमें कहा गया था कि राज्य सरकारें मुफ्त की योजनाओं पर जमकर खर्च कर रही हैं, जिससे वो कर्ज के जाल में फंसती जा रही हैं। स्टेट फाइनेंसेस- अ रिस्क एनालिसिस नाम से आई आरबीआई की इस रिपोर्ट में उन पांच राज्यों के नाम दिए गए हैं, जिनकी स्थिति बिगड़ रही है। इनमें पंजाब, राजस्थान, बिहार, केरल और पश्चिम बंगाल शामिल थे। चुनावी वादों के कारण बढ़ रही मुद्रास्फीती और महंगाई की मार आम लोगों पर पड़ रही है। बेरोजगारी बढ़ रही है। राजनीतिक दलों का इससे सरोकार नहीं है। सत्ता में आने के बाद सरकारें फ्री देने के वादे पूरा करने के लिए टैक्स का बोझ बढ़ाती जा रही हैं।

योगेंद्र योगी

दिल्ली चुनाव को अभी एक महीने से ज्यादा का समय बाकी है। उससे पहले दिल्ली की आम आदमी पार्टी ने महिला सम्मान योजना को मंजूरी दे दी। इस योजना के तहत महिलाओं के खाते में हर महीने 1000 रुपये आएंगे। आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि चुनाव के बाद इसको बदलकर 2100 रुपए करेंगे। चुनाव जीतने के लिए मुफ्त की रेवड़ी बांटने वाली आप अकेली पार्टी नहीं हैं। जब भी चुनाव नजदीक आते हैं, राजनीतिक दलों में खैरात बांटने की होड़ लग जाती है। इसका एकमात्र मकसद चुनाव जीतना है। इसके नुकसान-फायदों की राजनीतिक दलों का परवाह नहीं हैं। यह अलग बात है कि चाकू खरबूजे पर गिरे या खरबूजा चाकू पर, कटना तो खरबूजे को ही है। मसलन फ्री का माल लेने वाले को भी आखिरकार इसकी कीमत चुकानी पड़ती है। किसी न किसी रूप में टैक्स का बोझ उन पर भी पड़ता है। फ्री की योजनाओं का फायदा उठाने वाले भी इससे बढ़ने वाली महंगाई की मार से बच नहीं सकते।

इससे पहले राजस्थान में विधानसभा चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वोटरों को फ्री में स्मार्टफोन और तीन साल के लिए फ्री इंटरनेट का वायदा किया था। गहलोत ने राज्य के हर परिवार को हर महीने 100 यूनिट तक फ्री बिजली फ्री देने का ऐलान किया था। मध्य प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कांग्रेस की सरकार बनने पर हर परिवार को 100 यूनिट तक फ्री बिजली देने का वादा किया। तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाडली बहना योजना के तहत सवा करोड़ गरीब महिलाओं के खाते में एक हजार रुपये जमा कराए। कांग्रेस ने वादा किया था कि उसकी सरकार आई तो हजार नहीं बल्कि 1,500 रुपये दिए जाएंगे। शिवराज ने युवाओं को लुभाने के लिए 12वीं कक्षा के कुल 9000 टॉपर्स को एक-एक स्कूटी देने का भी ऐलान किया था। चुनावी रेवड़ी बांटना का कल्चर शुरु से ही विवादों से घिरा रहा है। सुप्रीम कोर्ट, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, आर्थिक विशेषज्ञ, चुनाव आयोग और मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तक इस पर चिंता जता चुके हैं। कोई भी राजनीतिक दल व्यापक देशहित से जुड़े ऐसे मुद्दों का समाधान तलाशना तो दूर बल्कि चर्चा तक करना नहीं चाहता। सुप्रीम कोर्ट ने मुफ्त राशन और अन्य मुफ्त योजनाओं पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि आखिर लोगों को फ्री की रेवड़ी कब तक बांटी जाएगी। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान मुफ्त राशन देना समय की जरूरत थी, लेकिन अब रोजगार और आत्मनिर्भरता पर ध्यान केंद्रित करने का समय आ गया है। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने कोर्ट को बताया कि देश के 81 करोड़ लोगों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत मुफ्त या सब्सिडी वाला राशन दिया जा रहा है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने हैरानी जताई और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता व अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा, तो मतलब सिर्फ टैक्सपेयर्स ही ऐसे लोग हैं जिन्हें मुफ्त राशन नहीं मिल रहा है। यह स्थिति गंभीर विचार का विषय है। वर्ष 2022 में श्रीलंका का आर्थिक संकट सामने आया तो इसने दुनियाभर की सरकारों को चेता दिया। सर्वदलीय बैठक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा था कि श्रीलंका से सबक लेते हुए हमें मुफ्त के कल्चर से बचना चाहिए। जयशंकर ने कहा कि श्रीलंका जैसी स्थिति भारत में नहीं हो सकती, लेकिन वहां से आने वाला सबक बहुत मजबूत है। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एक रैली में रेवड़ी कल्चर पर सवाल उठाए थे। पीएम मोदी ने कहा था कि आजकल हमारे देश में मुफ्त की रेवड़ी बांटकर वोट बटोरने का कल्चर लाने की भरसक कोशिश हो रही है। ये रेवड़ी कल्चर देश के विकास के लिए बहुत घातक है। रेवड़ी कल्चर वालों को लगता है कि जनता जनार्दन को मुफ्त की रेवड़ी बांटकर उन्हें खरीद लेंगे। मोदी ने कहा था कि हमें मिलकर रेवड़ी कल्चर को देश की राजनीति से हटाना है।

भारत में ऐसी लुभावनी पर आर्थिक तौर पर घातक चुनावी वायदों की शुरुआत तमिलनाडु से मानी जाती है। वर्ष 2006 में तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव में डीएमके ने सरकार बनने पर सभी परिवारों को फ्री कलर टीवी देने का वादा किया। डीएमके के इस चुनावी वादे को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। हालांकि, डीएमके जीत गई। वादा पूरा करने के लिए 750 करोड़ रुपये का बजट लगाया गया। मामला सुप्रीम कोर्ट में चल ही रहा था कि 2011 के विधानसभा चुनाव में विपक्षी अन्नाद्रमुक ने टीवी के जवाब में मिक्सर ग्राइंडर, इलेक्ट्रिक फैन, लैपटॉप, कम्प्यूटर, सोने की थाली आदि बांटने का वादा कर दिया। शादी होने पर महिलाओं को 50 हजार रुपये और राशन कार्ड धारकों को 20 किलो चावल देने का वादा भी किया।

नतीजे आए तो अन्नाद्रमुक की सरकार बन गई। 2006 के चुनावी वादे पर जुलाई 2013 में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फ्रीबीज सभी लोगों को प्रभावित करती है, जो स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की जड़ को काफी हद तक हिला देती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को भी आदेश दिया कि वो सभी राजनीतिक पार्टियों से सलाह-मशविरा कर एक आचार संहिता बनाए। इसके बाद 2015 में चुनाव आयोग ने राजनीतिक पार्टियों और उम्मीदवारों के लिए आचार संहिता जारी भी की, लेकिन उसके बावजूद चुनावों में फ्रीबीज का ऐलान होता ही रहा है।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने कहा था, ऐसी योजनाएं जिनसे क्रेडिट कल्चर कमजोर हो, सब्सिडी की वजह से कीमतें बिगड़ें, प्राइवेट इन्वेस्टमेंट में गिरावट आए और लेबर फोर्स भागीदारी कम हो तो वो फ्रीबीज होती हैं। वर्ष 2022 पिछले साल आरबीआई की भी एक रिपोर्ट आई थी। इसमें कहा गया था कि राज्य सरकारें मुफ्त की योजनाओं पर जमकर खर्च कर रही हैं, जिससे वो कर्ज के जाल में फंसती जा रही हैं। स्टेट फाइनेंसेस- अ रिस्क एनालिसिस नाम से आई आरबीआई की इस रिपोर्ट में उन पांच राज्यों के नाम दिए गए हैं, जिनकी स्थिति बिगड़ रही है। इनमें पंजाब, राजस्थान, बिहार, केरल और पश्चिम बंगाल शामिल थे। चुनावी वादों के कारण बढ़ रही मुद्रास्फीती और महंगाई की मार आम लोगों पर पड़ रही है। बेरोजगारी बढ़ रही है। राजनीतिक दलों का इससे सरोकार नहीं है। सत्ता में आने के बाद सरकारें फ्री देने के वादे पूरा करने के लिए टैक्स का बोझ बढ़ाती जा रही हैं। होना तो यह चाहिए कि कोई राजनीतिक दल जब ऐसी मुफ्त की चुनावी घोषणाओं का ऐलान करे तो साथ ही यह भी बताए कि इसके लिए धन का इंतजाम कैसे किया जाएगा। मसलन इसके एवज में करदाताओं पर कितना बोझ पड़ेगा। जब तक हिसाब-किताब पारदर्शी नहीं होगा तब तक ऐसी योजनाओं देश पर बोझ साबित होती रहेंगी।

बेहिचक मॉडलिंग इंडस्ट्री में आए नई पीढ़ी, मिस एमपी खुशी मिस वर्ल्ड बनने की राह पर

इंदौर। मिस एमपी खुशी जायसवाल ने कहा कि नई पीढ़ी को बेहिचक मॉडलिंग इंडस्ट्री में आना चाहिए। अब इस इंडस्ट्री का स्वरूप पहले से बहुत बदल गया है। हाल ही में संपन्न मिस एमपी कांटेस्ट में प्रदेशभर की प्रतिभागियों को पछाड़ कर अव्वल आई इंदौर की खुशी जायसवाल स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. में रूबरू कार्यक्रम में मीडियाकर्मियों से चर्चा कर रही थीं। उन्होंने बताया कि मिस एमपी बनने के बाद फ़रवरी माह में मुंबई में मिस वर्ल्ड कांटेस्ट, पोलेंड का सेमिफ़ाइनल राउंड होगा। मुंबई में देशभर की करीब 25 राज्य विजेताओं के बीच मिस वर्ल्ड के लिए विनर, फर्स्ट रनरअप और सेकण्ड रनरअप का चयन होगा। विनर को पोलेंड में मुकाबले का अवसर मिलेगा। 23 वर्षीय 5.9 हाईट की खुशी जायसवाल ने बताया कि स्कूल और कॉलेज लाइफ में स्टेज एंकरिंग का लाभ उन्हें मिस एमपी बनने में मिला। खुशी ने फ़रवरी-2024 में बेस्ट एंकर आइफा अवार्ड भी जीता है। मम्मी भारती जायसवाल ने मुझे मॉडलिंग इंडस्ट्री में प्रमोट कर अपने अधूरे सपने को पूरा किया। पिता अजय जायसवाल भी मेरी ग्रूमिंग के लिए पुरजोर सहयोग करते हैं। खुशी ने बताया कि अभिनेत्री और विश्व सुंदरी रही ऐश्वर्या राय उनकी आदर्श हैं। वे भी भविष्य में अभिनय के क्षेत्र में किस्मत अजमाना चाहती हैं। उन्होंने बताया कि जनवरी में टी-सीरिज के बैनर पर उनका डांस एलबम आने वाला है। राजनीति में नरेंद्र मोदी उनकी पहली और आखिरी पसंद हैं। उनकी इच्छा है मिस वर्ल्ड का खिताब जीतकर वह सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाक़ात करें। सफल मॉडल बनने के लिए भाग्य, मेहनत और सुन्दरता के साथ हाईट, कैटवॉक, जनरल नॉलेज और क्वेश्चन-आंसर राउंड में भी पारंगत होना पड़ता है। प्रारंभ में रचना जौहरी ने खुशी जायसवाल की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल, सुदेश गुप्ता, संजय मेहता, सोनाली यादव एवं पुष्पा यादव ने स्वागत किया एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया।

अंबेडकर अपमान के आरोप से बचने की कवायद

नदी जल संरक्षण का श्रेय बाबा साहब को

हरनाम सिंह

अपने राजनीतिक लाभ के लिए प्रत्यक्ष प्रमाणों को नजरअंदाज कर नए आख्यान (नेरेटिव) गढ़ना प्रधानमंत्री की विवशता है या आदत, निश्चित रूप से कह पाना मुश्किल है। पिछले दिनों केन बेतवा लिंक परियोजना की आधारशिला रखने के दौरान अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने जो कुछ कहा वह सत्य से कोसों दूर है। संसद में गृहमंत्री द्वारा अंबेडकर के अपमान से उपजे राष्ट्रव्यापी आक्रोश से बचने के लिए उन्होंने भारत में नदी जल के संरक्षण का श्रेय बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को दिया। यही नहीं उन्होंने कहा कि आजादी के बाद देश में पानी के लिए बड़े बांधों के निर्माण के पीछे जिस महापुरुष की दूर दृष्टि थी वह डॉ भीमराव अंबेडकर थे। विकास एक सतत प्रक्रिया होती है इसे किसी समय काल के दायरे में नहीं बांधा जाना चाहिए। लेकिन श्रेय लेने की राजनीति अपने वैचारिक विरोधियों को नाकारा साबित करने के प्रयास में तथ्यों से कैसा खिलवाड़ किया जाता है, इसे समझने की जरूरत है।

● आजादी के पूर्व बना था जल आयोग

केंद्रीय जल आयोग का गठन स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व वर्ष 1942 में डॉक्टर अंबेडकर की अनुशंसा पर अंग्रेज शासको द्वारा किया गया था। वायसराय द्वारा गठित इस आयोग की कार्यकारी परिषद में बाबा साहब 20 जुलाई 1942 से 29 जून 1946 तक सदस्य रहे थे। यह याद रखा जाना चाहिए की 1942 वह वर्ष था जब देश में कांग्रेस के नेतृत्व में ÷अंग्रेजों भारत छोड़ो÷ आंदोलन चल रहा था। और इस आंदोलन में भारतीय जनता पार्टी के पुरखों ने केवल भाग लेने से इनकार किया था, अपितु अंग्रेजों को आंदोलन का दमन करने का मशवरा भी दिया था। नेहरू मंत्रिमंडल में डॉ आंबेडकर कानून मंत्री थे ना कि केंद्रीय जल आयोग के मंत्री। हालांकि डॉक्टर अंबेडकर के अनुभवों को ही नेहरू सरकार ने आगे बढ़ाया था। इसे जन आकांक्षाओं की पूर्ति हेतु अनवरत प्रयासों की प्रक्रिया के रूप में देखा जाना चाहिए ना की राजनीतिक लाभ के लिए तथ्यों को तोड़कर,छुपा कर आम जन को भ्रमित करना चाहिए। आजादी के बाद नेहरू शासनकाल में अनेक नदियों पर बांधों का निर्माण हुआ। बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना अंतर्गत बने बांधों को नेहरू आधुनिक भारत का मंदिर कहते थे।

नेहरू काल के कुछ बांध

आजादी मिलते ही झारखंड की दामोदर घाटी में प्रायोगिक तौर पर तिलैया बांध का निर्माण हुआ था। इस बांध की सफलता ने भविष्य की जल परियोजनाओं का मार्ग प्रशस्त किया 1948 में इस बांध के निर्माण प्रारंभ हुआ और 21 फरवरी 1953 को देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इसका लोकार्पण किया। चंबल नदी पर बने चार बांधों में से एक बांध मंदसौर जिले के गांधी सागर में स्थित है। इस बांध की आधारशिला भी श्री नेहरू ने 7 मार्च 1954 को रखी थी और 19 नवंबर 1966 को इसका लोकार्पण किया था। कोटा बेरेज बांध का निर्माण भी 1953 में शुरू हुआ था 20 नवंबर 1960 में नेहरू जी ने इसे जनता को सौंपा था। इस बांध से राजस्थान और मध्य प्रदेश की चार लाख 58 हजार हेक्टेयर भूमि सिंचित होती है। 1963 में सतलुज नदी घाटी परियोजना अंतर्गत निर्मित भाखड़ा नांगल बांध का उद्घाटन भी श्री नेहरू ने किया था। इस बांध से राजस्थान, हरियाणा के किसान लाभान्वित हुए।

श्रेय लेने की आदत

प्रधानमंत्री कांग्रेस और नेहरू को नीचा दिखाने के प्रयास लगातार करते रहे हैं। स्वतंत्रता संग्राम में शामिल न होने के दाग को मिटाने व आजादी के बाद की विकास योजनाओं के श्रेय को अपने पुरखों के नाम करने के लिए वे असत्य का सहारा भी ले रहे हैं। 24 जून 2018 को प्रसारित ÷अपने मन की बात÷ में मोदी जी ने दावा किया कि दामोदर नदी घाटी निगम और अन्य नदी घाटी परियोजनाओं में उनके पुरखे श्यामा प्रसाद मुखर्जी का महत्वपूर्ण योगदान था, जबकि 1943 में दामोदर नदी में आई बाढ़ के बाद 1944 में दामोदर नदी घाटी परियोजना बनाई गई थी। आजाद भारत में श्यामा प्रसाद मुखर्जी नेहरू मंत्रिमंडल में वाणिज्य और उद्योग मंत्री थे। इसके 3 वर्ष पूर्व ही दामोदर घाटी परियोजना प्रारंभ हो चुकी थी। श्री मुखर्जी 1942 तक बंगाल प्रांत में ए. के. फजलुल हक के नेतृत्व में गठित मंत्री परिषद में वित्त मंत्री थे। 1943 से 1946 तक वह हिंदू महासभा के अध्यक्ष रहे। ऐसे में नदी घाटी परियोजनाओं में श्री मुखर्जी का कैसा योगदान था प्रधानमंत्री ने स्पष्ट नहीं किया। संभवत उस वक्त वे अंबेडकर के योगदान को कम करके बताना चाहते थे। प्रधानमंत्री जैसे गरिमामय पद पर बिराजमान श्री मोदी द्वारा शासकीय आयोजनों का उपयोग अपने दल की राजनीति को चमकाने के लिए करना। विरोधियों को कोसना कहां तक उचित है ? विचार करके देखिए।

अपने पीछे करोड़ों की संपत्ति छोड़ गए हैं मनमोहन सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व प्रधानमंत्री और कांग्रेस नेता डॉ. मनमोहन सिंह ने साल 2018 में राज्यसभा सीट के लिए नामांकन दाखिल किया था। नामांकन के दौरान उन्होंने अपनी कुल संपत्ति 15.77 करोड़ रुपये बताई थी। वहीं एफिडेविट के मुताबिक साल 2018-19 में उनकी कुल कमाई करीब 90 लाख रुपये थी।

माईनेता वेबसाइट में मनमोहन सिंह की पूरी संपत्ति के बारे में बताया गया है। इसके मुताबिक

उनके पास कैश 30 हजार रुपये थे। साथ ही 3.86 लाख रुपये की ज्वैलरी भी बताई गई है। उनके पास दिल्ली और चंडीगढ़ में एक-एक फ्लैट भी है। मनमोहन सिंह पर कर्ज का एक रुपया भी नहीं था।

कई अवॉर्ड से सम्मानित

मनमोहन सिंह को उनके योगदान के लिए कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। इसमें पद्म विभूषण भी शामिल है। साल 1991 में, पीवी नरसिम्हा राव की सरकार में वित्त मंत्री के रूप में डॉ. मनमोहन सिंह ने भारतीय अर्थव्यवस्था को नया रूप दिया। उन्होंने उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण की नीतियों को अपनाया। इन नीतियों ने देश की अर्थव्यवस्था को वैश्विक बाजार के लिए खोल दिया।

म्यूचुअल फंड नियमों में बड़ा बदलाव, निवेशकों को जुर्माने से मिलेगी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ने म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए नियमों में बड़ा बदलाव किया है। अब निवेशक अपनी व्यवस्थित निवेश योजना यानी एसआईपी को भुगतान की तारीख से महज तीन दिन पहले बंद करा सकेंगे या उसकी किस्त को रोक पाएंगे। आवेदन प्राप्त होने के बाद म्यूचुअल फंड कंपनी को दो दिन (टी+2) के भीतर इस प्रक्रिया को पूरा करना होगा। इससे निवेशकों को जुर्माने और अन्य वित्तीय परेशानियों से बचने में मदद मिलेगी। नया नियम लागू कर दिया गया है।

पहले यह थी प्रक्रिया- इससे पहले एसआईपी को रद्द कराने के लिए निवेशकों को 10

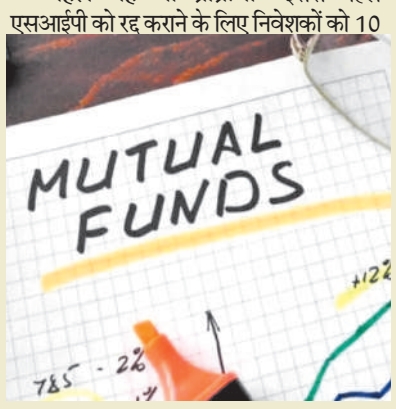

वर्किंग डेज पहले आवेदन करना पड़ता था। इतने लंबे समय में बैंक खाते की स्थिति का सही अनुमान लगाना मुश्किल होता था, जिससे कई बार किस्त बाउंस हो जाती थी। इसके चलते निवेशकों को ईसीएस या मैंडेट रिटर्न चार्ज जैसे अतिरिक्त शुल्क चुकाने पड़ते थे। सेबी ने इस समस्या के समाधान के लिए रद्द करने की प्रक्रिया को सरल किया है। नया नियम ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह के एसआईपी पर लागू होगा। मान लीजिए कि किसी निवेशक की एसआईपी किस्त हर महीने की 10 तारीख है। किसी महीने में सात तारीख तक उसके खाते में पर्याप्त रकम नहीं है। ऐसे स्थिति में वह सात तारीख को एसआईपी रोकने या बंद करने का अनुरोध कर सकता है। म्यूचुअल फंड कंपनी को 10 तारीख से पहले इसे रद्द करना होगा। इस बीच निवेशक पर किसी तरह का जुर्माना नहीं लगेगा। सेबी का यह फैसला म्यूचुअल फंड उद्योग में पारदर्शिता और निवेशकों के अधिकारों को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

ICAI Result: 4 candidates top CA Final exam, country gets 11,500 new Chartered Accountants

Two candidates secured the all-India first rank, and one each got second and third in the Chartered Accountancy (CA) Final examination, with results announced late Thursday night. A total of 11,500 candidates qualified as Chartered Accountants, the Insitute of Chartered Accountants of India (ICAI) has announced.

Heramb Maheshwari from Hyderabad and Rishab Ostwal R from Tirupati jointly secured the all India first rank with 508 or 84.67 per cent marks. Ahmedabad's Riya Kunjankumar Shah is the second topper of the exam. She scored 501 or 83.50 per cent marks. Kinjal Ajmera from Kolkata has secured the third rank with 493 or 82.17 per cent marks.

A total of 66,987 candidates appeared for the CA Final November examination in group 1. Of them, 11,253 have passed. The pass percentage in this group is 16.8 per cent. In group 2, as many as 49,459 candidates wrote the exam and 10,566 candidates passed. The pass percentage in group 2 stands at 21.36 per cent.

As many as 30,763 candidates appeared for both groups and 4,134 of them passed, with a pass percentage of 13.44 per cent. Individual exam results can be accessed at the institute's result portal, icai.nic.in. Candidates need to use their registration numbers along with roll numbers to check the results.

CBSE single girl child scholarship application deadline extended till January 10

The Central Board of Secondary Education (CBSE) has announced an extension for the submission of online applications under CBSE Merit Scholarship Schemes. The revised deadlines are applicable for both new applications and renewals under the Single Girl Child Scholarship Scheme. The updated schedule is as follows:

1. Single Girl Child Scholarship X 2024 Scheme (Fresh Applications):

- Last Date for Application Submission by Applicants: January 10, 2025
- Verification of Applications by Schools: January 17, 2025

2. Single Girl Child Scholarship X 2023 Scheme (Renewal 2024):

- Last Date for Application Submission by Applicants: January 10, 2025
- Verification of Applications by Schools: January 17, 2025

This scholarship program aims to promote education among single girl children by offering financial assistance to meritorious students. Fresh applicants and those seeking renewals must submit their applications before the specified dates to ensure timely processing.

Eligible candidates can find additional details regarding the scholarship's terms, conditions, and application forms on the official CBSE website: www.cbse.gov.in under the Scholarship Link.

राज्य पात्रता परीक्षा के लिए प्रोविजनल आंसर-की जारी

भोपाल। लोक सेवा आयोग ने राज्य पात्रता परीक्षा 2024 की आंसर-की जारी कर दी है। यह परीक्षा 15 दिसंबर 2024 को आयोजित की गई थी। परीक्षार्थी MPPSC की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आंसर की चेक और डाउनलोड कर सकते हैं।मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग ने एमपी एसईटी 2024 की प्रोविजनल (अनंतिम उत्तर कुंजी) आंसर-की 12 वैकल्पिक सेट विषयों और सभी चार सेट के लिए जारी की है। परीक्षार्थियों को आपत्ति दर्ज कराने का मौका दिया जाएगा। उम्मीदवार इन आंसर-की पर दावा आपत्ति दर्ज करा सकते है। उम्मीदवारों प्राप्त आपत्तियों के निपटारे के बाद आयोग फाइनल आंसर-की जारी करेगा। इसके बाद रिजल्ट घोषित किए जाएंगे।आपको बता दें कि प्रदेशभर में 15 दिसंबर 2024 को राज्य पात्रता परीक्षा आयोजित की गई थी। इस परीक्षा में कुल दो पेपर हुए थे। पहला सामान्य था, जो शिक्षण और शोध योग्यता पर आधारित था और सभी अभ्यर्थियों के लिए अनिवार्य था। वहीं दूसरा पेपर उम्मीदवार की ओर चुने गए विषय पर आधारित था। यह परीक्षा कुल 300 अंकों की थी। जिसमें नकारात्मक अंकन (माइनस मार्किंग) लागू नहीं था।

कम्यूनिकेशन में एक्सीलेंस के लिए महारत्न कंपनी सेल को मिले आठ राष्ट्रीय पुरस्कार

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय स्टील मिनिस्ट्री की महारत्न कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड को पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा आठ राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। कंपनी को ये पीआरएसआई राष्ट्रीय पुरस्कार, पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में बीते दिनों आयोजित 46वें अखिल भारतीय जनसंपर्क सम्मेलन में प्रदान किया गया। सेल के कॉरपोरेट कम्यूनिकेशन विभाग के प्रमुख चिन्मय समजदार ने यह पुरस्कार ग्रहण किया।

किन श्रेणियों में मिले पुरस्कार- सेल को विभिन्न श्रेणियों में कुल 8 पुरस्कार मिले हैं, जो कंपनी के कम्यूनिकेशन की उत्कृष्टता को दर्शाते हैं। सेल को मिले पुरस्कारों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है -

ई-न्यूजलेटर श्रेणी- कंपनी के न्यूज़ बुलेटिन सेलट्रैक को उसकी प्रभावी प्रस्तुति और जानकारीपूर्ण होने के लिए पुरस्कृत किया गया।

कॉर्पोरेट फिल्म श्रेणी- सेल की कॉर्पोरेट फिल्म को कंपनी की उपलब्धियों और भविष्य की दृष्टि को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के लिए चुना गया।

सर्वश्रेष्ठ संचार अभियान (इंटरनल पब्लिक्स) श्रेणी- सेल गौरव दिवस समारोह को कर्मचारियों के बीच एकता और गौरव की भावना पैदा करने के लिए सराहा गया।

हाउस जर्नल (अंग्रेजी) श्रेणी- सेलन्यूज़ को अपने पाठकों को कंपनी के बारे में अप-टू-डेट जानकारी प्रदान करने के लिए पुरस्कृत किया गया।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए सर्वश्रेष्ठ पीआर कार्यक्रम- स्टील प्लांट प्रौद्योगिकियों के लिए सोशल मीडिया कैम्पेन को इस श्रेणी में जीत हासिल हुई।

कॉर्पोरेट अभियान में सोशल मीडिया का सर्वश्रेष्ठ उपयोग- ग्रीन स्टील को बढ़ावा देने वाले सोशल मीडिया अभियान को, पर्यावरण के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करने के लिए चुना गया।

कॉरपोरेट वेबसाइट- सेल वेबसाइट को उसके क्रिएटिव लेआउट, आसान नेविगेशन एवं कंटेन्ट और यूजर फ्रेंडली प्लेटफार्म के लिए पुरस्कृत किया गया।

प्रभावी कम्यूनिकेशन पर जोर

सेल के अध्यक्ष अमरेंदु प्रकाश ने कंपनी को मिले पीआरएसआई राष्ट्रीय पुरस्कारों की सराहना करते हुए कहा, ये पुरस्कार सेल की छवि और पहुंच को बढ़ाने में हमारी संचार पहल के विभिन्न प्रयासों को रेखांकित करते हैं। सेल ने हमेशा प्रभावी कम्यूनिकेशन पर जोर दिया है, जो कंपनी की छवि को बढ़ावा देने और बेहतर स्टेकहोल्डर रिलेशन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह सम्मान संचार में उत्कृष्टता के लिए सेल के समर्पण का प्रमाण है। सेल के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने सेल की इस उपलब्धि की सराहना की है। हम भविष्य में भी नवाचार करते रहेंगे और संचार के क्षेत्र में नए मानक स्थापित करेंगे।

नए ऑर्डर, मजबूत मांग, सरकारी खर्च में बढ़ोतरी... इकॉनमी के लिए मिलने वाली है गुड न्यूज

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की जीडीपी ग्रोथ सितंबर 2024 को खत्म हुई दूसरी तिमाही में घटकर 5.4 प्रतिशत रह गई है। वित्त मंत्रालय की गुरुवार को जारी मंथली रिपोर्ट में यह कहा गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर अनिश्चितताओं के बीच आर्थिक ग्रोथ को बनाए रखने के लिए सभी पक्षों को मिलकर काम करने की जरूरत होगी। वित्त मंत्रालय के नवंबर के मंथली इकॉनमिक रिव्यू के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में धीमी गति के बाद तीसरी तिमाही का आउटलुक अच्छा दिख रहा है।

इसका पता अक्टूबर और नवंबर के लिए महत्वपूर्ण आंकड़ों (जीएसटी कलेक्शन, पीएमआई आदि) से चलता है। वहीं, रबी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी, जलाशयों में पानी का अच्छा स्तर और खाद की पर्याप्त उपलब्धता से रबी की बुवाई अच्छी होने की उम्मीद है। कुल मिलाकर औद्योगिक गतिविधियों में भी तेजी आने की उम्मीद है।

क्या है बेहतर

रिपोर्ट में कहा गया है कि अक्टूबर और नवंबर के आंकड़े यह बताते हैं कि कंपनियों के नए ऑर्डर में वृद्धि हो रही है और मांग मजबूत है। सरकारी पूंजीगत खर्च में अपेक्षित वृद्धि से सीमेंट, लोहा, इस्पात, खनन और बिजली क्षेत्रों को समर्थन मिलने की उम्मीद है। ग्रामीण डिमांड मजबूत बनी हुई है। शहरी मांग भी बढ़ रही है। अक्टूबर-नवंबर, 2024 में यात्री वाहनों की बिक्री में सालाना आधार पर 13.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। घरेलू हवाई यात्री यातायात में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई।

क्या हैं चुनौतियां

रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025 की दूसरी छमाही में ग्रोथ पहले छमाही से बेहतर होगी। लेकिन साथ ही, ये भी हो सकता है कि कुछ वजहों से भी दूसरी छमाही में गति धीमी आई हो, इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। लेकिन अच्छी बात ये है कि दिसंबर 2024 में अपनी पॉलिसी मीटिंग में सेंट्रल बैंक ने कैश रिजर्व रेश्यो 4.5 प्रतिशत से घटाकर 4 प्रतिशत कर दिया है। ये डिमांड को बढ़ावा दे सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 को देखा जाए तो नई अनिश्चितताएं सामने आई हैं और वैश्विक व्यापार वृद्धि पहले की तुलना में अधिक अनिश्चित दिख रही है। शेयर बाजार का ऊंचा स्तर एक बड़ा जोखिम पैदा कर रहा है। डॉलर की मजबूती और अमेरिका में नीतिगत दर के बारे में फिर से विचार ने उभरते बाजार की करंसी को दबाव में ला दिया है। इससे उभरती अर्थव्यवस्थाओं में नीति-निर्माता रीपो रेट के बारे में और अधिक गहराई से सोचेंगे।

सालाना 15 लाख तक कमाने वालों को मिलेगी इनकम टैक्स में छूट ! बजट में हो सकता है ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार मिडिल क्लास को भी इनकम टैक्स में छूट दे सकती है। हालांकि इस बारे में अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है। माना जा रहा है कि सरकार 1 फरवरी को पेश होने वाले आम बजट में इस बारे में कोई ऐलान कर सकती है। यह जानकारी इकनॉमिक टाइम्स ने रॉयटर्स के हवाले से दी है। इसमें बताया गया है कि सरकार सालाना 15 लाख रुपये कमाने वाले को भी इनकम टैक्स में छूट दे सकती है। सरकार मिडिल क्लास को टैक्स से राहत देना चाहती है। वहीं सरकार का प्लान है कि मंदी के कारण उपभोग को बढ़ावा दिया जाए। इन्हीं वजहों के कारण सरकार 15 लाख रुपये तक कमाने वाले मध्यम वर्ग को इनकम टैक्स में छूट देने का विचार कर रही है। अगर ऐसा होता है तो इससे लाखों टैक्सपेयर्स को फायदा होगा।

कितनी होगी कटौती- सालाना 15 लाख रुपये तक कमाने वाले को इनकम टैक्स में कितनी छूट मिलेगी, इस बारे में

अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। सूत्रों के मुताबिक अभी किसी भी कटौती के आकार पर कोई फैसला नहीं लिया गया है। इस बारे में जो भी फैसला होगा, वह 1 फरवरी को पेश होने वाले आम बजट में बता दिया जाएगा।

अभी देना पड़ता है काफी टैक्स- अभी इनकम टैक्स चुनने की दो व्यवस्थाएं हैं। पहली पुरानी और दूसरी नई। नई व्यवस्था साल 2020 से शुरू हुई थी। इसमें एचआरए जैसी सुविधाओं पर कोई छूट नहीं मिलती। नई व्यवस्था में सालाना 3 लाख रुपये की कमाई से लेकर 15 लाख रुपये तक की कमाई पर 5 से 20 फीसदी टैक्स लगाया जाता है। इससे ज्यादा कमाई पर 30 फीसदी की दर से इनकम टैक्स देना होता है।

अर्थव्यवस्था के लिए भी बेहतर कदम!- सरकार अगर मिडिल क्लास के लिए इनकम टैक्स में कटौती करती है तो इससे ऐसे लोगों के हाथों में ज्यादा पैसा आएगा। यह पैसा देश की अर्थव्यवस्था को गति देने में मदद कर सकता है। दरअसल, सितंबर तिमाही में देश की जीडीपी पिछली 7 तिमाहियों के मुकाबले काफी कम रही है। अगर लोगों के हाथ में ज्यादा पैसा आएगा तो वे ज्यादा खर्च कर सकेंगे। इससे देश की अर्थव्यवस्था बेहतर होगी।

मिडिल क्लास पर मेहरबानी क्यों

सरकार को इस समय मिडिल क्लास से कई तरह की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। महंगाई की मार मिडिल क्लास पर ही सबसे ज्यादा पड़ रही है। मिडिल क्लास को सरकार की तरफ से खास राहत भी नहीं मिल रही है। महंगाई के मुकाबले वेतन में वृद्धि कम हो रही है। महंगाई की वजह से साबुन और शैंपू से लेकर कारों और दोपहिया वाहनों तक की मांग कम रही है। इन चीजों का मिडिल क्लास ही सबसे बड़ा ग्राहक है। ऐसे में सरकार इनकम टैक्स में छूट देकर मिडिल क्लास को खुश करना चाहती है।

From Canada to Europe: Why Indian students are shifting their study abroad dreams

Amid diplomatic unrest and sudden immigration policy changes, higher education in Canada is increasingly becoming a turbulent affair for Indian students. The setback is even more significant in the wake of the fact that till last year, the intake of foreign students, of which a major chunk was from India, had hit record highs in Canadian universities. Compelled to look for avenues beyond Canada, many students have shown an inclination towards regions such as Singapore, Australia etc.

The other region that has apparently emerged as an educational hotspot in the recent past is Europe, with countries across the continent, like Germany, Ireland, Italy, France etc, recording huge numbers of enrolments across diverse streams and universities. However, it is important to emphasise at this point that Europe is not a 'new preferred study destination for Indian students'. Rather, educational institutions across European countries have for long remained a favourite among Indian students and parents, though there has been a consistent year-on-year increase in enrolments.

For example, Germany has shown a uniform spike over the past couple of years. As per our internal report, nearly 51,600 students opted for Germany as their higher education destination in 2024, which was not drastically above the 43,000 admissions recorded in 2023 and over 34,000 in 2022. Similarly, Ireland has shown a promising picture with 7,000 admissions in 2022, nearly 10,000 in 2023 and over 12,000 in 2024.

AFFORDABLE EDUCATION AND SCHOLARSHIPS IN EUROPE

One of the factors propelling Europe as a sought-after educational destination is the provision of tuition-free and cost-effective education for foreign students, including Indians. This provision is primarily offered by public universities across countries, including Germany, France, Latvia, Poland and Finland. There are, of course, numerous scholarship opportunities to be grabbed as well, essentially based on merit and aptitude. For example, the Erasmus Mundus Scholarships allow a fully-funded education, covering tuition, travel as well as other living expenses, while Germany's DAAD Scholarships ensure financial aid for students pursuing Masters and research programmes.

Europe is further home to a slew of globally renowned educational institutions, such as Germany's Heidelberg University, France's Sorbonne University and Belgium's KU Leuven, which are synonymous with research-oriented education models, innovation and international academic standards. Even for those looking to transition seamlessly from academia to the professional spectrum after completion of education, Europe is a wise idea, for most countries in the region offer generous post-study work permits. France and Denmark offer a work permit for up to 2 years, while Denmark allows it for 3 years and Germany for 18 months.

That being said, one cannot deny the fact that getting into the right university or institution in Europe can be a complex affair, simply due to the vast expanse of the continent. It is, thus, strongly recommended to take the assistance of an entity well-versed in the nuances of higher education in Europe. While there is no scarcity of education agents across the country, there are only a handful of consultancy firms that spearhead the overall ecosystem, and it is important for all stakeholders, including students and parents, to understand the demarcation.

Anyone seeking to explore higher education avenues in Europe must bank on partners that can handhold you through the process, whether in picking the apt curriculum through tech-powered Course Finder or ensuring a legal visa to enter the country of choice.

In addition to a country-wide and pan-European network of education partners and universities, the entity must have had at least a decade of experience in facilitating education for Indian students across reputed European universities. May not be new per se, but Europe is certainly one of the most promising destinations for Indian students seeking higher education.

सोमवती अमावस्या कब है, जानें पूजा का मुहूर्त और दान-पुण्य का महत्व

हिंदू धर्म में सभी तिथियों को महत्वपूर्ण माना गया है। वहीं अमावस्या तिथि का भी विशेष महत्व बताया गया है। सोमवार के दिन पड़ने के कारण इसे सोमवती अमावस्या कहा जाता है। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। इस दिन व्रत रखने और पूजा-पाठ करने से व्यक्ति के सुख-समृद्धि और सौभाग्य में वृद्धि हो सकती है। सोमवती अमावस्या के दिन स्नान-दान करने से व्यक्ति को पुण्य प्राप्ति होती है। अब ऐसे में इस साल की आखिरी अमावस्या तिथि कब पड़ रही है। पूजा का शुभ मुहूर्त क्या है और पूजा का महत्व क्या है।

सोमवती अमावस्या कब है?

वैदिक पंचांग के हिसाब से इस साल की आखिरी अमावस्या तिथि पौष माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को पड़ने वाली है। इस साल यह तिथि 30 दिसंबर को पड़ने वाली है। आपको बता दें, 30 दिसंबर को सुबह 04 बजकर 01 मिनट से लेकर इस तिथि का समापन सुबह 03 बजकर 56 मिनट पर होगा। इसलिए उदया तिथि के आधार पर इस साल सोमवती अमावस्या का व्रत 30 दिसंबर को मनाया जाएगा।

सोमवती अमावस्या के दिन पूजा का शुभ मुहूर्त कब है?

सोमवती अमावस्या के दिन स्नान ब्रह्म मुहूर्त में करना शुभ माना जाता है। ब्रह्म मुहूर्त प्रातः 5.24 से 6.19 बजे तक रहेगा। इस दौरान स्नान करना उत्तम फलदायी माना गया है।

भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा के लिए शुभ मुहूर्त - दोपहर 12 बजकर 03 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 45 मिनट तक है। इस दौरान अभिजीत मुहूर्त में भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा विधिवत रूप से करने से व्यक्ति को अक्षत फलों की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही सुखी दांपत्य जीवन का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है।

सोमवती अमावस्या के दिन पूजा का महत्व

सोमवती अमावस्या के दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति के वैवाहिक जीवन में आ रही परेशानियां दूर हो सकती है और सुख-समृद्धि में वृद्धि हो सकती है और जीवन में आ रही परेशानियां दूर हो जाती है। इसके अलावा अगर किसी व्यक्ति को मनचाहे वर की कामना है, तो वह भी इच्छा पूरी हो सकती है।

सोमवती अमावस्या के दिन पीपल के पेड़ में क्या-क्या चढ़ाएं?

हिंदू धर्म में सोमवती अमावस्या तिथि को बेहद महत्वपूर्ण माना गया है। इस दिन पीपल के पेड़ में क्या-क्या चढ़ाने से व्यक्ति को उत्तम परिणाम मिल सकते हैं।

पंचांग के हिसाब से कुल 12 अमावस्या तिथि पड़ती है। इस दौरान विशेष रूप से पितरों की पूजा-अर्चना की जाती है। इस दिन स्नान-दान करने भी शुभ माना जाता है और व्यक्ति को पितृदोष से भी मुक्ति मिल जाती है। आपको बता दें, अमावस्या तिथि के दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति को सुख-समृद्धि की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही जीवन में आने वाली सभी बाधाओं से भी छुटकारा मिल जाता है। अब ऐसे में सोमवती अमावस्या सोमवार के दिन पड़ रहा है, जिसके कारण इस दिन पीपल के पेड़ की पूजा करने की मान्यता है।

पीपल के पेड़ में चढ़ाएं दूध

शास्त्रों में पीपल के पेड़ को मोक्षदायिनी माना गया है। ऐसा कहा जाता है कि पीपल के पेड़ में दूध चढ़ाने से व्यक्ति को सभी परेशानियों से छुटकारा मिल जाता है। अमावस्या के दिन दूध चढ़ाने से व्यक्ति को मनचाहे फलों की प्राप्ति हो सकती है। आपको बता दें, पीपल के पेड़ में सभी देवी-देवताओं का वास होता है और इस दिन पीपल के पेड़ में दूध अर्पित करने से व्यक्ति को ग्रहदोष से छुटकारा मिल जाता है और जीवन में आने वाली सभी समस्याएं भी दूर हो जाती है।

पीपल के पेड़ में चढ़ाएं तिल

पीपल के पेड़ में तिल चढ़ाने से व्यक्ति को शनिदोष से छुटकारा मिल जाता है। पीपल के पेड़ में तिल चढ़ाने से सभी देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है। साथ ही व्यक्ति को बैकुंठ की भी प्राप्ति होती है। आपको बता दें, तिल का संबंध पितरों से माना जाता है। इसलिए, पीपल के पेड़ में तिल चढ़ाने से पितृ दोष दूर होता है और पितरों का आशीर्वाद मिलता है। पीपल के पेड़ में तिल चढ़ाने से घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

पीपल के पेड़ में चढ़ाएं गुड़

पीपल के पेड़ में गुड़ चढ़ाना का भी विधान है। ऐसा कहा जाता है कि अगर आपको बार-बार किसी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, तो इससे अशुभ प्रभाव कम हो सकते हैं। शास्त्रों के अनुसार, शनिवार के दिन पीपल के पेड़ में गुड़ चढ़ाने से शनि दोष का प्रभाव कम होता है। शनि दोष के कारण व्यक्ति को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। गुड़ चढ़ाने से शनि देव प्रसन्न होते हैं और व्यक्ति को अपने आशीर्वाद देते हैं। साथ ही मनचाहे परिणाम भी मिलते हैं।

पौष माह में भगवान विष्णु को पीला नहीं, लाल चंदन ही क्यों लगाते हैं?

पौष माह भगवान विष्णु को समर्पित है। पौष माह में भगवान विष्णु की पूजा का विधान है। ऐसा माना जाता है कि पौष माह में श्री हरि नारायण की आराधना करने से व्यक्ति के दुख दूर हो जाते हैं और भगवान विष्णु का सानिध्य प्राप्त होता है। वहीं, शास्त्रों में यह भी वर्णित है कि पौष माह के दौरान भगवान विष्णु का श्रृंगार करना भी शुभ होता है। हालांकि, यह भी उल्लेखित है कि पौष माह में भगवान विष्णु को पीला नहीं बल्कि लाल चंदन लगाना चाहिए। ऐसे में ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स से आइये जानते हैं कि क्यों पौष माह में लगाया जाता है श्री हरि विष्णु को लाल चंदन।

पौष माह में भगवान विष्णु को लाल चंदन लगाने के लाभ

- पौष माह के दौरान भगवान विष्णु को लाल चंदन लगाने से सूर्य की कुंडली में स्थिति मजबूत होती है। सूर्य ग्रह के मजबूत होने से भाग्य का साथ मिलने लगता है। सौभाग्य में वृद्धि होती है और सफलता प्राप्ति में आ रही बाधाएं भी दूर हो जाती हैं। तरक्की के मार्ग खुलने लगते हैं।
- पौष माह में भगवान विष्णु को लाल चंदन लगाने से मंगल ग्रह की शुभता भी मिलती है। ऐसा इसलिए क्योंकि लाल रंग मंगल का प्रतीक माना जाता है। मंगल ग्रह के शुभ प्रभाव से मांगलिक कार्य, विशेष रूप से विवाह में आ रही बाधाएं या फिर वैवाहिक जीवन के दुख दूर होते हैं।
- पौष माह में भगवान विष्णु को लाल चंदन लगाना इसलिए भी शुभ माना जाता है क्योंकि इससे उन्हें अत्यधिक प्रसन्नता होती है। असल में लाल रंग मां लक्ष्मी का प्रिय है। मां लक्ष्मी का वास जहां होता है वहीं श्री हरि विराजते हैं। लाल चंदन विष्णु जी को लगाने से मां लक्ष्मी का वास बना रहता है।
- पौष माह में लाल चंदन भगवान विष्णु को लगाने से पितृ भी प्रसन्न होते हैं और उनका क्रोध शांत हो जाता है। भगवान विष्णु को पितरों का देवता माना गया है। ऐसे में पौष माह के दौरान लाल चंदन भगवान विष्णु को लगाने से पितृ दोष से भी राहत मिलती है और शुभ कार्य सफल होते हैं।

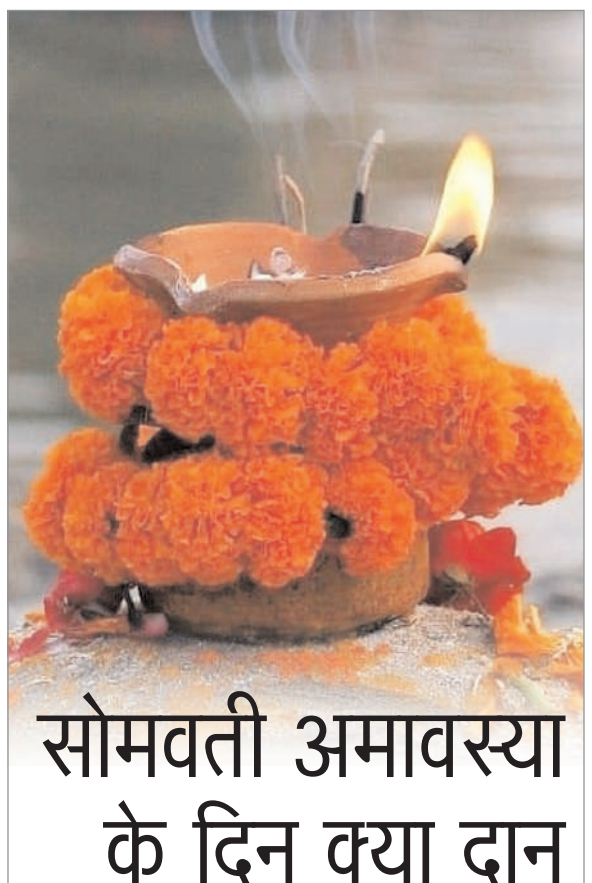

सोमवती अमावस्या के दिन क्या दान करना चाहिए?

पौष माह की अमावस्या यानी कि साल की आखिरी अमावस्या 30 दिसंबर, दिन सोमवार को पड़ने जा रही है। जहां एक ओर सोमवती अमावस्या के दिन पवित्र नदी में स्नान का विशेष स्थान मौजूद है तो वहीं, दूसरी ओर इस दिन दान करना भी बहुत हितकारी माना जाता है। ऐसे में ज्योतिषाचार्य ने बताया कि सोमवती अमावस्या के दिन कौन सी चीजों का दान करना चाहिए और क्या हैं उससे मिलने वाले लाभ।

सोमवती अमावस्या के दिन करें तिल का दान

तिल का संबंध शनि देव से माना जाता है। इसके अलावा, तिल का नाता पितरों से भी है। ऐसे में सोमवती अमावस्या के दिन तिल का दान करने से न सिर्फ शनि देव प्रसन्न होते हैं बल्कि पितरों का आशीर्वाद भी मिलता है और घर में सुख-समृद्धि आती है।

सोमवती अमावस्या के दिन करें वस्त्र का दान

सोमवती अमावस्या के दिन काले वस्त्रों का दान करना बहुत शुभ माना जाता है। काले वस्त्रों का दान करने से घर या घर के सदस्यों को लगी बुरी नजर उतर जाती है। इसके अलावा, काले वस्त्रों का सोमवती अमावस्या के दिन दान करने से राहु मजबूत होता है।

सोमवती अमावस्या के दिन करें गुड़ का दान

सोमवती अमावस्य के दिन गुड़ का दान करने से पारिवारिक क्लेश दूर होता है। अगर परिवार के सदस्यों के बीच किसी भी प्रकार का मतभेद है तो वह नष्ट हो जाता है और आपसी तालमेल, प्यार और विश्वास बढ़ता है। पारिवारिक शांति स्थापित होती है।

सोमवती अमावस्या के दिन करें जूते का दान

सोमवती अमावस्या के दिन जूतों का दान करना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि जूतों का दान करने से घर में पसरी हुई धन की कमी दूर हो जाती है। इसके अलावा, घर में मौजूद नकारात्मक ऊर्जा भी नष्ट होने लगती है और सकारात्मकता बढ़ती है।

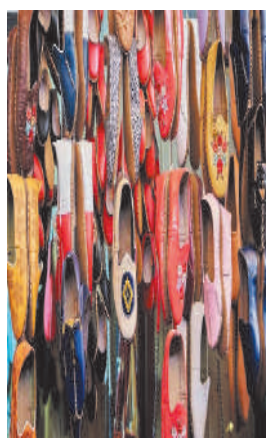

शनि त्रयोदशी के दिन शनिदेव को क्या-क्या चढ़ाने से दूर हो सकती है साढ़ेसाती?

हिंदू धर्म में सभी तिथियों में शनि त्रयोदशी का व्रत महत्वपूर्ण माना गया है। इस दिन शनिदेव की पूजा-अर्चना विधिवत रूप से करने का विधान है। आइए इस लेख में जानते हैं कि शनिदेव को क्या-क्या चढ़ाने से लाभ हो सकता है।

हिंदू पंचांग के अनुसार,पौष माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि के दिन शनि त्रयोदशी का व्रत रखा जाता है। इस दिन विशेष रूप से शनिदेव और भगवान शिव की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन भोलेबाबा और शनिदेव की पूजा से व्यक्ति को सभी समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है और मनोवांछित फलों की प्राप्ति हो सकती है। आपको बता दें, इस साल शनि त्रयोदशी व्रत 28 दिसंबर को रखा जाएगा। इस दिन शनिदेव की पूजा गोधूलि बेला में करने का विधान है। ऐसा कहा जाता है कि अगर आपकी कोई मनोकामना है, जिसे आप पूरी करना चाहते हैं, तो इस दिन शनिदेव और भगवान शिव की पूजा पूजा ब्रह्म मुहूर्त में करें। अब ऐसे में शनि त्रयोदशी के दिन शनिदेव को क्या-क्या चढ़ाने से लाभ हो सकता है।

शनिदेव का चढ़ाएं काले तिल

शनिदेव को काले तिल बेहद प्रिय है। ऐसा कहा जाता है कि शनिदेव को काले तिल चढ़ाने से व्यक्ति को पितृदोष से छुटकारा मिल सकता है और शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या के अशुभ प्रभाव से मुक्ति मिल सकती है। एक पौराणिक कथा के अनुसार, जब हनुमान जी पर शनि की दशा चल रही थी, तब उन्होंने शनिदेव को तिल का तेल दिया था, जिससे शनिदेव की पीड़ा शांत हुई थी। तभी से शनिदेव को तिल का तेल और काले तिल चढ़ाने की परंपरा शुरू हुई।

शनिदेव को चढ़ाएं सरसो तेल

शनि त्रयोदशी के दिन शनिदेव को सरसो का तेल चढ़ाएं। शनि दोष होने पर व्यक्ति को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। सरसों का तेल चढ़ाने से शनि दोष का प्रभाव कम होता है। इतना ही नहीं, अगर किसी जातक को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, तो शनिदेव को सरसो तेल जरूर चढ़ाएं।

शनिदेव को चढ़ाएं काले चने

शनिदेव को काले चने की परंपरा प्राचीन समय से चली आ रही है। ऐसा कहा जाता है कि अगर किसी व्यक्ति को कार्यक्षेत्र में बार-बार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, तो काले चने शनि त्रयोदशी के दिन चढ़ाने से उत्तम परिणाम मिल सकते हैं और सुख-समृद्धि की भी प्राप्ति हो सकती है।

मेलबर्न क्रिकेट क्लब ने सचिन तेंदुलकर को किया क्लब सदस्यता से सम्मानित

मेलबर्न, एजेंसी। मेलबर्न क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने शुक्रवार को कहा कि महान भारतीय खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर ने इस प्रतिष्ठित संस्था का मानद सदस्य बनने का उसका निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। ऑस्ट्रेलिया के सबसे पुराने खेल क्लबों में से एक एमसीसी की स्थापना 1838 में हुई थी। यह खेल के प्रमुख स्थानों में से एक मेलबर्न क्रिकेट मैदान (एमसीजी) के प्रबंधन और विकास के लिए जिम्मेदार है।

एमसीसी ने 'एक्स पर पोस्ट किया, 'एक 'आइकन को सम्मानित किया गया। एमसीसी को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि पूर्व भारतीय कप्तान सचिन तेंदुलकर ने खेल में उनके उत्कृष्ट योगदान को स्वीकार करते हुए मानद क्रिकेट सदस्यता स्वीकार कर ली है। तेंदुलकर एमसीजी में सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज है। उनके नाम इस मैदान में पांच टेस्ट मैचों में 44.90 के औसत और 58.69 के स्ट्राइक रेट से 449 रन है। उन्होंने इस मैदान पर एक शतक और तीन अर्द्धशतक जड़े हैं। इससे पहले 2012 में तेंदुलकर को देश के सर्वोच्च सम्मानों में से एक 'ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया से सम्मानित किया गया था। एमसीजी वर्तमान में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की श्रृंखला के चौथे टेस्ट मैच की मेजबानी कर रहा है।

इंडिया-ऑस्ट्रेलिया टेस्टः

स्टीव स्मिथ ने मेलबर्न टेस्ट में शतक जड़कर तोड़ा रिकॉर्ड

बन गए नंबर 1

मेलबर्न, एजेंसी। स्टीव स्मिथ को क्यों टेस्ट क्रिकेट के महान बल्लेबाजों में से एक माना जाता है इसका सबूत उन्होंने मेलबर्न टेस्ट में दिया. ऑस्ट्रेलिया के इस दिग्गज बल्लेबाज ने मेलबर्न टेस्ट की पहली पारी में शानदार सेंचुरी लगाई. ब्रिसबेन में शतक जमाने वाले स्मिथ ने मेलबर्न में भी अपनी अच्छी फॉर्म जारी रखते हुए कमाल शतक जड़ा. स्टीव स्मिथ इस शतक के साथ ही 6 दिग्गजों को पछाड़ने में कामयाब रहे हैं.

दरअसल ये स्टीव स्मिथ का 34वां टेस्ट शतक है और ये खिलाड़ी अब सबसे ज्यादा टेस्ट शतक के मामले में केन विलियमसन और एलिस्टर कुक से आगे निकल गया है. वहीं स्मिथ ने सुनील गावस्कर ब्रायन लारा, यूनिस खान और महेला जयवर्धने को भी पछाड़ दिया है. दरअसल स्मिथ ने इनसे कम टेस्ट मैचों में 34 टेस्ट शतक का आंकड़ा छुआ है. स्टीव स्मिथ के लिए मेलबर्न टेस्ट में शतक लगाना ज्यादा मुश्किल नहीं रहा

. मेलबर्न की पिच सीरीज में अबतक की सबसे आसान पिच में से एक नजर आई. स्मिथ बड़ी आसानी से क्रीज पर सेटल हुए और खेल के पहले दिन उन्होंने अर्धशतक लगाया वो नाबाद रहे और दूसरे दिन उन्होंने बिना किसी परेशानी के अपना शतक पूरा कर लिया. बुमराह और आकाशदीप की एक-दो गेंदों पर वो थोड़ा असहज दिखे लेकिन उन्होंने जल्द ही सबकुछ काबू में पा लिया.

स्मिथ का शतक क्यों है खास?

स्टीव स्मिथ का ये शतक इसलिए खास है क्योंकि वो भारत के खिलाफ टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं. स्मिथ ने भारत के खिलाफ 11 शतक लगाए हैं. वो जो रूट से आगे निकले हैं जो भारत के खिलाफ 10 टेस्ट शतक लगा चुके हैं. बड़ी बात ये है कि स्मिथ ने भारत के खिलाफ सिर्फ 43 पारियों में 11 टेस्ट शतक ठोके हैं.

स्टीव स्मिथ भारत के खिलाफ अपने घर पर और ज्यादा खतरनाक हो जाते हैं. इस खिलाड़ी ने भारत के खिलाफ रेड बॉल टेस्ट की पहली पारी में 10 पारियों में से 7 में शतक लगाए हैं.

मोहम्मद सिराज ने मेलबर्न टेस्ट में लगाया शतक

मेलबर्न, एजेंसी। मेलबर्न टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों ने जमकर रन कूटे. उस्मान ख्वाजा, सैम कोंस्टस, मार्नस लाबुशेन ने हाफ सेंचुरी लगाई. जबकि स्टीव स्मिथ ने शतक लगाया. लेकिन एक बार फिर से टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ऑस्ट्रेलिया के सामने बेसर रहे. जसप्रीत बुमराह ने मेलबर्न टेस्ट की पहले पारी में चार विकेट हासिल किए. वहीं रवींद्र जडेजा ने तीन विकेट चटकाए. आकाश दीप को भी दो विकेट मिले. एक विकेट वॉशिंगटन सुंदर भी ले गए. लेकिन सिराज के विकेटों का कॉलम खाली रहा. उन्होंने मेलबर्न टेस्ट में 23 ओवर बॉलिंग की. लेकिन एक भी विकेट नहीं ले पाए. इसी के साथ सिराज ने मेलबर्न में बॉलिंग में 'शतक' लगा दिया. साथ ही एक शर्मनाक रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया.

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के दौरान मोहम्मद सिराज ने विकेट लेने के पूरे प्रयास किए लेकिन उन्हें कोई सफलता हाथ नहीं लगी. इसके उलट उन्होंने जमकर रन खर्च किए. सिराज ने 5.30 की इकॉनामी से 122 रन लुटाए. इसी के साथ वे मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर बिना कोई विकेट लिए सबसे ज्यादा रन खर्च करने वाले इंडियन बॉलर बन गए. उनसे पहले साल 2014 के टेस्ट के दौरान ईशांत शर्मा ने बिना कोई विकेट लिए 104 रन खर्च किए थे.

भारत पर मंडराया फॉलोऑन का खतरा

22 गेंद में गंवाए 3 विकेट, स्टंप्स तक स्कोर 164/5, ऑस्ट्रेलिया ने 474 रन बनाए

मेलबर्न, एजेंसी। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट में भारतीय टीम पर फॉलोऑन का खतरा मंडरा रहा है। टीम ने शुक्रवार को स्टंप्स तक 164 रन बनाने में 5 विकेट गंवा दिए हैं। ऋषभ पंत 6 और रवींद्र जडेजा 4 रन पर नाबाद लौटे हैं। भारत को फॉलोऑन बचाने के लिए 111 रन और बनाने हैं। इस मैच का फॉलोऑन मार्क 275 रन है।

मेलबर्न में चल रहे मुकाबले के दूसरे दिन भारत आखिरी 6 ओवर में 3 विकेट गंवा दिए। 40 ओवर के बाद टीम इंडिया का स्कोर 148/2 था, जोकि 46 ओवर के बाद 164/5 हो गया। टीम ने 41वें ओवर की आखिरी बॉल पर नाइट वाचमैन आकाश दीप का विकेट गंवाया था। वे खाता नहीं खोल सके। इससे पहले विराट कोहली (36 रन) और यशस्वी जायसवाल 82 रन बनाकर रनआउट हुए। रोहित शर्मा (3 रन) और केएल राहुल (24 रन) को पैट कमिंस ने पवेलियन भेजा। स्कॉट बोलैंड को 2 विकेट मिले। ऑस्ट्रेलियाई पारी में स्टीव स्मिथ ने 197 बॉल पर 140 रन बनाए।

उन्होंने टेस्ट करियर का 34वां शतक जमाया। यह उनका भारत के खिलाफ 11वां शतक है। युवा ओपनर सैम कोंस्टास (60 रन), उस्मान ख्वाजा (57 रन) और मार्नस लाबुशेन (72 रन) ने अर्धशतक बनाए। कप्तान पैट कमिंस ने 49 रन का योगदान दिया। भारत से जसप्रीत बुमराह ने 4 विकेट झटके। रवींद्र जडेजा ने 3 विकेट लिए। आकाश दीप को 2 और मोहम्मद सिराज को एक विकेट मिला।

सिमोना हालेप ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वालीफाइंग से हटीं

मेलबर्न, एजेंसी। दो बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन सिमोना हालेप ने घुटने और कंधे में दर्द के कारण बृहस्पतिवार को ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वालीफाइंग और तैयारी के लिए न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में होने वाले टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया। हालेप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि अबुधाबी में एक प्रदर्शनी मैच में भाग लेने के बाद वह अस्वस्थ महसूस कर रही थीं। हालेप ने लिखा कि अपनी टीम के साथ लंबी चर्चा करने के बाद हम इस बात पर सहमत हुए कि सत्र की शुरुआत में देरी करना समझदारी है।

मैं यह नहीं चाहती थी। रोमानिया की इस 33 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि वह अपने देश में ट्रांसिल्वेनिया ओपन में भाग लेने की योजना बना रही हैं जो तीन फरवरी से शुरू होगा। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वालीफाइंग मैच छह जनवरी से शुरू होंगे और मुख्य 12 जनवरी से आरंभ होगा। इससे प्रतिबंधित पदार्थ के निलंबन के से उनकी वापसी में फिर बाधा पैदा हुई।

भारतीय महिला टीम ने वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराया, वनडे सीरीज में किया क्लीन स्वीप

वड़ोदरा, एजेंसी। दीप्ति शर्मा (छह विकेट और नाबाद 39 रन) के हरफनमौला प्रदर्शन के दम पर भारतीय महिला टीम ने शुक्रवार को तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हरा दिया। इसी के भारतीय टीम ने तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज भी 3-0 से अपने नाम कर ली हैं।

वेस्टइंडीज के 162 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय महिला टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 23 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिए। स्मृति मंधाना (चार) और हरलीन देओल (एक) रन बनाकर आउट हुई। इसके बाद प्रतिका रावल और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पारी संभालने का प्रयास किया। 10वें ओवर में हेली मैथ्यूज ने प्रतिका रावल (18) को आउट कर भारत को तीसरा झटका दिया। 13वें ओवर में ऐफी फ्लेचर ने हरमनप्रीत कौर (32) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। जेमिमाह रॉड्रिग्स तथा दीप्ति शर्मा ने पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिये 56 रनों की साझेदारी हुई। 25वें

ओवर में करिश्मा रामहैरक ने जेमिमाह रॉड्रिग्स (29) को आउट कर साझेदारी को तोड़ा। दीप्ति शर्मा और ऋचा घोष ने शानदार बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए टीम को पांच विकेट से जीत दिला दी। दीप्ति शर्मा ने 48 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए (नाबाद 39) रनों की पारी खेली।

वहीं ऋचा घोष ने 11 गेंदों में एक चौका और तीन छक्के लगाते हुए तूफानी अंदाज में (नाबाद 23)रन बनाये। भारत ने 28.2 ओवर में 167 रन बनाकर मुकाबला और 3-0 से श्रृंखला भी जीती। वेस्टइंडीज की ओर से डिएंड्रा डॉटिन, आलिया ऑलेन, हेली मैथ्यूज, करिश्मा रामहैक और ऐफी फ्लेचर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले दीप्ति शर्मा (छह विकेट) और रेणुका सिंह (चार विकेट) शानदार गेंदबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की पूरी टीम को 162 के स्कोर पर ढ़ेर कर दिया था। वेस्टइंडीज की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र नौ रन के स्कोर पर अपने तीन विकेट गवां दिये।

पवई रन 2025:

80 साल की दादी और फिटनेस उत्साही उषा जोशी 10 किमी दौड़ में लेंगी हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। पवई की निवासी और एडवोकेट उषा जोशी इस साल 80 साल की हो रही हैं। उनकी 5 फीट लंबी और 38 किलोग्राम की पतली काया देखकर लोग धोखा खा सकते हैं, लेकिन वह पवई रन 2025 में 10 किमी दौड़ के लिए पूरी तरह तैयार हैं। जॉनसन एंड जॉनसन में पूर्व रिसर्च हेड रह चुकीं जोशी एक वैज्ञानिक और उद्यमी होने के साथ-साथ अब वकालत भी करती हैं।

10 किमी दौड़ में लेंगी हिस्सा

हमेशा खुद को नया रूप देने वाली उषा जोशी ने अपनी फिटनेस यात्रा तब शुरू की, जब वह 25 साल पहले पवई में रहने आईं। उनके बच्चे बड़े हो चुके थे, और पवई की खूबसूरत हरियाली ने उन्हें लंबी सैर पर निकलने के लिए प्रेरित किया। यही सैर धीरे-धीरे दौड़ में बदल गई। एक दशक पहले उन्होंने स्ट्राइडर्स कम्युनिटी के साथ लॉन्ग डिस्टेंस रनिंग की ट्रेनिंग ली और तब से वह लगातार दौड़ती आ रही हैं।

उषा जोशी का क्या कहना-

जब उनसे पूछा गया कि इस उम्र में उन्हें दौड़ने की प्रेरणा कहां से मिलती है, तो उन्होंने कहा, ÷अपने युवा सहयोगियों के साथ काम करने के लिए मुझे खुद को फिट और ऊर्जावान रखना पड़ता है। मैं केवल अपनी उम्र के कारण अवसरों से वंचित नहीं रहना चाहती। अब तक पांच बार पवई रन में भाग ले चुकीं यह ऑक्टोजेनरियन और दो पोते-पोतियों की दादी कहती हैं कि 2025 का पवई रन उनका आखिरी हो सकता है। लेकिन शायद उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि अभी बाकी है। दौड़ 5 जनवरी 2025 को होगी।

अभा फैडरेशन कप कैरम प्रतियोगिता नेल्लौर आंध्र प्रदेश में 5 जनवरी से

जयपुर, एजेंसी। आल इंडिया कैरम फेडरेशन के तत्वावधान में 29 वीं अखिल भारतीय फेडरेशन कप कैरम प्रतियोगिता, 2024-25 आंध्र प्रदेश कैरम एसोसिएशन एवं नेल्लौर जिला कैरम एसोसिएशन द्वारा 5 जनवरी, 2025 से 8 जनवरी, 2025 तक नेल्लौर, आंध्रप्रदेश में आयोजित की जा रही है।

राजस्थान कैरम एसोसिएशन के अध्यक्ष सूरज खत्री ने बताया कि राजस्थान राज्य की पुरुष व महिला कैरम टीमें भी इस प्रतियोगिता में भाग लेगी। राजस्थान की पुरुष एवं महिला कैरम टीमों का चयन कर लिया गया है। राजस्थान की दोनों टीमें 2 जनवरी, 2025 को नेल्लौर के लिए जयपुर से प्रस्थान करेगी। अध्यक्ष खत्री ने यह भी बताया कि नेल्लौर में ही इस प्रतियोगिता के दौरान 7 जनवरी, 2025 को आल इंडिया कैरम फेडरेशन की कार्यकारिणी की एक बैठक भी आयोजित की जा रही है जिसमें 2025-26 वर्ष के दौरान आयोजित की जाने वाली राष्ट्रीय स्तर की विविध कैरम प्रतियोगिताओं का कैलेंडर सुनिश्चित किया जाएगा।

माँ अहिल्या की नगरी में मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों और अभिभाषकों का ऐतिहासिक समागम : गेंद और बल्ले के मुकाबले में इंदौर हाईकोर्ट की जीत

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर। मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों के खिलाड़ी और कानून के विद्वान एक साथ आए और एक अद्वितीय खेल आयोजन का हिस्सा बने, जिसे माँ अहिल्या की नगरी, इंदौर में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम कानून के क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों के बीच एक अनूठा क्रिकेट टूर्नामेंट था, जिसमें विभिन्न जिलों के अभिभाषकों ने अपनी क्रिकेट कौशल का प्रदर्शन किया।

कानून के विद्वानों ने गेंद और बल्ले से किया मुकाबला

इस खास क्रिकेट मुकाबले में मध्य प्रदेश के प्रमुख शहरों जैसे भोपाल, उज्जैन, खरगोन, जबलपुर, खंडवा, रतलाम, सिवनी, बालाघाट, सागर, रीवा आदि से टीमों ने भाग लिया। टूर्नामेंट

का फाइनल मुकाबला इंदौर हाईकोर्ट और जबलपुर ब्लू के बीच हुआ, जो इंदौर के डेली कॉलेज ग्राउंड पर खेला गया।

इंदौर हाईकोर्ट ने जीत के साथ लक्ष्य को किया हासिल 133 रनों का लक्ष्य लेकर मैदान में उतरी जबलपुर एडवोकेट की टीम को इंदौर हाईकोर्ट ने 16.2 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर सफलतापूर्वक हासिल कर लिया। इस शानदार जीत में इंदौर हाईकोर्ट की टीम के खिलाड़ी सोमिल एकडी को उनकी शानदार प्रदर्शन के लिए ÷मैन ऑफ द मैच÷ घोषित किया गया।

आयोजन की सफलता में प्रमुख व्यक्तित्वों का योगदान- इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाने में इंदौर अभिभाषक संघ के अध्यक्ष सुरेंद्र वर्मा और उपाध्यक्ष श्रीराम भदौरिया की अहम भूमिका रही। आयोजन समिति के प्रमुख सदस्य धर्मेन्द्र गुर्जर (अध्यक्ष), हिरेश पांडे (सचिव), रियाज शेख (उपाध्यक्ष), जीशान खान (सह सचिव), और कोषाध्यक्ष संजय चौहान ने भी पूरे आयोजन को बेहतरीन तरीके से आयोजित किया।

पुरस्कार वितरण समारोह = न्यायिक अधिकारियों ने दी शुभकामनाएं

टूर्नामेंट के समापन पर पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें उच्च न्यायालय के प्रशासनिक न्यायमूर्ति विवेक रुसिया और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय श्रीवास्तव ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। राज्य बार के चेयरमैन जय हार्डिया और वरिष्ठ अधिवक्ता शाहरुख खान ने आयोजन समिति को अपनी विशेष शुभकामनाएं दीं और आयोजन की सफलता की सराहना की। बता दें कि इस कार्यक्रम का आयोजन प्रतिवर्ष प्रदेश के विभिन्न जिलों में किया जाता है किंतु इस बार वर्ष 2024 में इस आयोजन की मेजबानी का अवसर इंदौर को प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन इंदौर के पांच ग्राउंड पर किया गया।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में डकैती के मामले में 5 नाबालिग पकड़ाए, रिवॉल्वर दिखा की थी वारदात; सीसीटीवी से मिला सुराग

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने एक कपड़े की दुकान में हथियार दिखाकर डकैती डालने के मामले में 5 नाबालिग आरोपियों को हिरासत में लिया है। इस बारे में जानकारी देते हुए गुरुवार को एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने क्रिकेट खेलते समय डकैती की योजना बनाई थी। उनका इरादा वारदात से मिलने वाले सामान को बेचकर पैसे कमाने का था। पुलिस ने बताया कि 21 दिसंबर को उत्तरी दिल्ली के बाहरी इलाके में हुई इस वारदात में नाबालिग लड़कों के एक गुट ने दुकान के मालिक दीपक से कपड़े और नकदी छीन ली थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, तीन से चार लड़के शुरू में कपड़े खरीदने के बहाने उनकी दुकान पर आए थे लेकिन बाद में वे अपने साथियों के साथ लौटे, जिनमें से कुछ ने पिस्तौल लहराई और उसे 15 जैकेट व पैंट देन के लिए मजबूर कर दिया। पुलिस ने बताया कि 16 से 17 वर्ष की उम्र के आरोपी वारदात के बाद पैदल ही मौके से भाग गए थे। पुलिस के अनुसार, मामले की शिकायत मिलने के बाद स्नढ्ढक्रदर्ज कर जांच शुरू की गई और संदिग्धों के नकाब पहने होने के बावजूद 40 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई। पुलिस के मुताबिक, सूचना के आधार पर पुलिस टीम बुराड़ी में पिंकी चौधरी कॉलोनी में एक किराए के मकान पर पहुंची, जहां छापेमारी के दौरान 13 जैकेट और 3 जोड़ी पैंट बरामद कर पांच नाबालिगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, प्रारंभिक जांच में सामने आया कि सभी आरोपी स्कूल छोड़ चुके हैं और उनका कोई पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। पुलिस ने बताया कि मामले में शामिल शेष संदिग्धों को पकड़ने की कोशिशें जारी हैं।

121 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के प्रावधानों के तहत अप्पू घर समूह की 120.98 करोड़ रुपये कीमत की अचल संपत्ति करीब 25 एकड़ जमीन को अस्थायी रूप से अटैच (संलग्न) की है। ये मेसर्ज इंटरनेशनल रिक्रिएशन एंड एम्यूजमेंट लिमिटेड के दीवाला होने को लेकर की गई है। इसमें सेक्टर-29 में 25 एकड़, जबकि सेक्टर-52ए में 17 एकड़ जमीन शामिल है। इस मामले में अब तक 412.296 करोड़ रुपये की संपत्ति को अटैच किया जा चुका है। गुरुवार देर शाम को यह जानकारी ईडी ने एक्स पर बने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के माध्यम से दी। इसमें बताया कि ये कार्रवाई गत 24 दिसंबर को हुई है। जमीन के साथ-साथ इसमें निर्मित इमारतों को भी अटैच किया है। बता दें कि सितंबर, 2022 में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) ने सेक्टर-29 स्थित अप्पू घर पर ताला जड़ दिया था। इस अप्पू घर पर करीब 24.88 करोड़ रुपये किराया बकाया था। इसके अलावा इसने पानी का बिल करीब 95.20 लाख रुपये की अदायगी नहीं की थी। लीज शर्तों के उल्लंघन पर अप्पू घर समूह पर 48.56 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया था। अप्पू घर समूह और एचएसवीपी के बीच में 14 जून, 2011 को अप्पू घर निर्माण को लेकर समझौता हुआ था। सेक्टर-29 और 52 में 33 साल के लिए जमीन लीज पर दी गई थी।

किसानों ने फिर भरी हुंकार, ग्रेटर नोएडा में 30 को महापंचायत का ऐलान; राकेश टिकैत भी हो सकते हैं शामिल

नईदिल्ली, एजेंसी। संयुक्त किसान मोर्चा ने 30 दिसंबर को ग्रेटर नोएडा में यमुना एक्सप्रेसवे के जीरो पॉइंट पर महापंचायत करने का फैसला लिया है। इसमें भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत के शामिल होने की भी उम्मीद है। वहीं, आंदोलन को सफल बनाने के लिए मोहियापुर में किसानों ने बैठक की और आगे की रणनीति तैयार की। किसान आंदोलन के ऐलान के बाद गुरुवार को कलेक्ट्रेट पर बेरिकेडिंग के साथ भारी पुलिस बल तैनात रहा। किसानों की बैठक मोहियापुर गांव में हुई, जिसकी अध्यक्षता सूबेदार राम शरण सिंह ने की और संचालन राजीव मलिक ने किया। पश्चिमी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष पवन खटाना ने बताया कि प्राधिकरण ने किसानों को 64.7 प्रतिशत मुआवजा और 10 प्रतिशत प्लॉट किसानों के नहीं दिए हैं, साल 2013 भूमि बिल अधिग्रहण लागू नहीं किया है। उन्होंने कहा कि 25 नवंबर से संयुक्त किसान मोर्चा का धरना चल रहा था, जिसे अधिकारियों ने खत्म करने का प्रयास किया और किसानों को जबरन जेल में बंद कर दिया। समाधान नहीं होगा, तब तक किसान आंदोलन करते रहेंगे।

जिस जनता ने भरोसा किया, उन्हीं को दिया धोखा

यादव ने कहा- दूसरों पर आरोप लगा रहे हैं केजरीवाल

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने गुरुवार को दावा किया कि चुनावी हार की आशंका से आप संयोजक अरविंद केजरीवाल दूसरों पर दोष मढ़कर अपनी धूमिल प्रतिष्ठा और घटते जनाधार को दोबारा पाने की कोशिश कर रहे हैं। यादव ने कहा, केजरीवाल और उनके साथी संजय सिंह, मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन शराब घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामलों में जमानत पर जेल से बाहर आए हैं और उन पर दोबारा गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है।

इंडिया अलायंस से कांग्रेस को बाहर करने की आम आदमी पार्टी की मांग पर यादव ने दावा किया कि आप को भाजपा की बी-टीम की भूमिका निभाने की भारी कीमत चुकानी पड़ रही है। बुधवार को दिल्ली कांग्रेस द्वारा पार्टी के

काले कारनामों पर 12 सूत्रीय श्वेत पत्र जारी करने के बाद पार्टी की विश्वसनीयता निचले स्तर पर पहुंच गई है। उन्होंने कहा, इसमें केजरीवाल के भ्रष्टाचार और उन लोगों के साथ विश्वासघात को उजागर किया गया है, जिन्होंने उन पर भरोसा किया था और पारदर्शी एवं ईमानदार सरकार की उम्मीद की थी।

कांग्रेस नेता ने कहा कि सरकार के अपने विभागों ने आप की योजनाओं से जनता को आगाह करने के लिए नोटिस जारी किया है। उन्होंने बताया है कि महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए केजरीवाल के चुनावी वादों को कैबिनेट की मंजूरी नहीं मिली है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन योजनाओं में नाम दर्ज करने की आड़ में मतदाताओं की व्यक्तिगत जानकारी एकत्र करके आम लोगों को ठगा जा रहा है।

यादव ने कहा कि दिल्ली कांग्रेस का लगातार कह रही है कि केजरीवाल दिल्ली के लोगों के लिए खतरनाक है। यह बात तब साबित हुई जब वे अपने साथियों के साथ कथित भ्रष्टाचार को लेकर जेल गए। उन्होंने दावा किया कि उनकी महीने भर की दिल्ली न्याय यात्रा के दौरान लोगों ने उनसे कहा कि कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में भ्रष्टाचारी-दागी आप के साथ गठबंधन नहीं करना चाहिए था। उन्होंने कहा कि लोगों को लगा कि अगर कांग्रेस अकेले चुनाव लड़ती तो उसके उम्मीदवार जीत जाते।

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश, 3 दिन का येलो अलर्ट; तेज हवाओं से और बढ़ेगी ठंड

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली-एनसीआर के कई हिस्सों में शुक्रवार सुबह हुई झमाझम बारिश से मौसम और ठंडा हो गया। बारिश के चलते तापमान में जहां में गिरावट आई है, वहीं हवा में भी सुधार देखा जा रहा है। इसके साथ ही राजधानी में सुबह से ठंडी हवाएं भी चल रही हैं। मौसम विभाग ने राजधानी में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के कारण 29 दिसंबर तक के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

आज सुबह पहले कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबादी हुई, जो बाद में झमाझ बारिश में बदल गई। इस दौरान तेज तूफानी हवाएं चलने के साथ ही गरज और चमक के साथ हल्की बारिश होने की संभावना जताई गई है। दिल्ली के साथ ही एनसीआर के पड़ोसी शहरों नोएडा, गाजियाबाद और फरीदाबाद में भी बारिश दर्ज गई।

मौसम विभाग का अनुमान है कि शुक्रवार को सुबह के समय धुंध या मध्यम कोहरा छाए रहने की संभावना है। दिन में आसमान

में बादल छाए रहेंगे। हल्की से मध्यम बारिश के साथ बिजली और 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी।

मौसम विभाग की मानें तो 27 से 31 दिसंबर तक दिल्ली में न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 20.4 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

सुबह के समय अधिकतर जगहों पर धुंध या हल्का कोहरा और कुछ जगहों पर मध्यम कोहरा छाए रहने की संभावना है। आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। हल्की से मध्यम बारिश या तूफान और रात में धुंध हल्का कोहरा छाए रहने की संभावना है। सुबह के समय ज्यादा जगहों पर धुंध या मध्यम कोहरा और कुछ जगहों पर घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। मुख्यतः साफ आसमान। शाम को या रात में धुंध या हल्का कोहरा छाने की संभावना है। सुबह में धुंध या हल्का से मध्यम कोहरा छाने की संभावना है। मुख्यतः साफ आसमान रहेगा। रात में हल्का कोहरा छाने की संभावना है। सुबह में धुंध या हल्का से मध्यम कोहरा छाने की संभावना है। मुख्यतः साफ आसमान। शाम या रात में धुंध या हल्का कोहरा छाने की संभावना है।

एनसीआर में 10 साल से सक्रिय लुटेरी दुल्हन गैंग गिरफ्तार, सबका था अलग था किरदार

नईदिल्ली, एजेंसी।
ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर थाना पुलिस ने गुरुवार को दिल्ली-एनसीआर में करीब दस वर्षों से सक्रिय लुटेरी दुल्हन गैंग का पर्दाफाश किया है। यह गैंग उम्रदराज कुंवारे और तलाकशुदा लोगों की शादी कराकर उनसे ठगी करता था। लुटेरी दुल्हन ससुराल से नकदी और आभूषण लेकर फरार हो जाती थी। पुलिस ने एक लुटेरी दुल्हन समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया।

डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि सूरजपुर कोतवाली पुलिस को एक युवती ने शिकायत दी थी कि जबरन उसकी शादी कराने का प्रयास किया जा रहा है। जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच कर शादी कराकर ठगी करने वाले गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस की छानबीन में पता चला है कि यह गैंग भोली-भाली लड़कियों और महिलाओं को

शादी के नाम पर बहला-फुसलाकर अपने गैंग में शामिल कर लिया करता था। शादी कराने के लिए यह गैंग दूल्हा पक्ष से पैसा वसूलता था। पैसा लेकर गैंग में शामिल लड़कियों और महिलाओं से शादी करा दी जाती थी। वर पक्ष से वसूले गए पैसों को यह गैंग दुल्हन समेत आपस में बांट लिया करते थे। पकड़े गए आरोपियों की पहचान बुलंदशहर के जरगवां गांव निवासी प्रदीप, अलीगढ़ निवासी आमिर, संतोष और मालती के रूप में हुई है। डीसीपी ने बताया कि प्रदीप गिरोह का सरगना है। उसकी पत्नी भी गैंग में शामिल है, जो अभी फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। गैंग में शामिल मालती देवी दुल्हन की माता या मौसी का किरदार निभाती थी। इसके अलावा अन्य दुल्हन के परिवार के सदस्य बनते थे। संतोष बिचौलिया का काम करता था। वह रिश्ते ढूंढ कर लाता था। इसके बाद शादी का झांसा देकर ठगी की जाती थी।

पुलिस ने बताया कि यह गैंग किसी वजह से जिन युवकों की शादी नहीं हो पा रही और उम्रदराज और तलाकशुदा लोगों को अपने जाल में फंसाता था। शादी कराने के एवज में यह गैंग उन लोगों से पैसा भी तय कर लिया करता था। शादी में मिले पैसे और शादी के बाद दुल्हन ससुराल में रखे पैसे और जेवरात लेकर फरार हो जाती थी। पहले भी मुख्य आरोपी लुटेरी दुल्हन से शादी कराने के मामले में जेल जा चुका है। डीसीपी के मुताबिक, शादी के सात फेरे लेने के बाद सात दिन बाद ससुराल से विदा होती थी। इसके लिए गैंग में शामिल लोग परिवार के सदस्य बनाकर उसे लेने जाते थे, लेकिन लुटेरी दुल्हन पहले से तैयार रहती थी और ससुराल द्वारा दिया गया जेवरात और पैसा इकट्ठा कर लेती थी।

A combination of amazing acting and passion for social service is "Sankalp Banerjee"

SADBHAWNA PAATI

A multifaceted talent, Sankalpa Banerjee is an Actor, Anchor, Voice-Over Artist, Model, Story Teller, Theatre Artist and Behaviourist, who is seamlessly transitioning across different mediums and screens. Born on '29th July 1983', on the land of 'Allahabad (Now 'Prayagraj'), Uttar Pradesh, India', Sankalpa Banerjee has worked with industry stalwarts like Dharma Productions, Raj & DK, Shankar, Nagraj Manjule and he is making waves in the Indian film industry. Celebrated for exuding authenticity into his characters, Sankalpa Banerjee skilfully bridges the gap between performance and storytelling, leaving an indelible mark on theatrical landscapes.

Popularly known for his wonderful portrayal of 'Character: Manoj Verma' in Sony TV's famous episodic 'TV Show: Crime Patrol-Satark' in the episode 'Aayam (About 'Burari Mass Deaths Case')', and also for his excellent acting as an 'Indian Origin British Officer' in Colors Channel's famous 'TV Show: Yog Yogeshwar Jai Shankar'. Sankalpa Banerjee has associated himself with several meaningful pieces of art known to Indian cinema. Primarily working in Hindi

The journey from acting to mental health awareness

cinema, he has outgrown the regional boundaries by expanding his portfolio to Marathi, Bengali, Bhojpuri, and Telugu Films. Though being a 'Bengali' by mother-tongue and birth, Sankalpa has contributed to cinema beyond his linguistic capabilities. He has worked in Zee Marathi Channel's popular Marathi Television Series: 'Saatvya Mulichi Saatvi Mulgi' in an impressive role. And also in the much appreciated Marathi Feature Film: 'Danka Hari Namacha', which is directed by 'Shreyas Jadhav'. Apart from his Marathi credit, he was seen in Zee Ganga Channel's several Bhojpuri Projects such as 'Acharva Chhathi Maayi Ke' and 'Tikuli' in crucial roles. These works of his are a testament to his versatility and potential.

On a personal front, Sankalpa Banerjee comes from a Bengali Hindu Family. Due to his father's transfer driven Central Government Service, he spent his early childhood across Pan India, and he completed his 'Schooling from Kendriya Vidyalaya'.

In his early years, Sankalpa completed his 'Graduation in Electrical Engineering' from Pune University, followed by 'Postgraduate Degree in Clinical Psychology'.

Initially having worked in telecom, finance, and IT Industries, finally it's his passion for acting, which led him to immerse fully in the world of Performance and Art.

Since 2018, he has lived many characters and captivated audiences across Feature Films, Web Series, TV Shows, theatre, TV Commercials and print media. In one of his notable works, Sankalpa Banerjee has worked alongside veteran actor 'Amol Palekar' in his acclaimed play: 'Kusoor—The Mistake' in a noteworthy role.

Among his other talents, Sankalpa is one of the sought-after voice-over artists of the industry. With his compelling voice and even more persuasive delivery, he has worked on an intriguing array of voice-over projects. Sankalpa Banerjee is also a very familiar face in advertisements on television screens & digital-space acting for well-known brands like Horlicks, Zomato, Amazon, Gritzo, Google, Eicher Motors, and HDFC amongst many others. All his tv & digital commercials consist of diverse roles; one may say that Sankalpa almost molds himself into every character brilliantly and with ease.

His next work is in one of the most anticipated series continuations, 'The Family Man - Season 3' directed by the fascinating duo 'Raj and DK', and also in the upcoming Feature Film: 'Khashaba' by the critically acclaimed & celebrated Director: 'Nagraj Manjule'. He also has some really interesting projects in the pipeline, which are certainly going to delight the audience, with more of his craft in upcoming time.

Apart from his acting performances, Sankalpa Banerjee is a skilled clinical psychologist and motivational trainer. His YouTube channel 'Nirbhaye Bhava' is a stellar representation of his efforts, advocating for the importance of 'Mental Health'. Combining his love for acting and mental health awareness, he has written and directed a 'Path Naatika (Road Play)' for the 'Schizophrenia Awareness Association' & numerous video contents on self-motivation & mental health awareness. Even more than that, he supports numerous NGOs striving to prioritize mental health in the country. In true essence, Sankalpa Banerjee can be touted as a true renaissance man, inspiring both on and off-screen; and with his dedication and passion for acting, Sankalpa Banerjee is sure to make an unforgettable & impressive mark in the Film Industry.

चाय और कॉफी से कम होता है सिर और गले का कैंसर, शोध अध्ययन में हुआ खुलासा

वाशिंगटन एजेंसी। एक अध्ययन के अनुसार, चाय और कॉफी के सेवन से सिर, गर्दन, मुंह और गले के कैंसर का खतरा कम हो सकता है। यह निष्कर्ष कैंसर पत्रिका में प्रकाशित किया गया है, जिसमें यह दावा किया गया है कि यदि व्यक्ति रोजाना तीन से चार कप कॉफी पीते हैं, तो सिर और गर्दन के कैंसर का खतरा 17 प्रतिशत तक कम हो सकता है। वहीं एक कप चाय पीने से यह खतरा नौ प्रतिशत कम होता है। इस अध्ययन में बताया गया है कि चाय और कॉफी में मौजूद कैफीन और अन्य बायोएक्टिव तत्वों के एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो कैंसर जैसी बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद कर सकते हैं। एक हालिया शोध में यह भी पाया गया है कि सीमित मात्रा में कॉफी का सेवन स्वस्थ जीवन के लिए फायदेमंद हो सकता है। अमेरिका के यूटा विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मेडिसिन में कार्यरत इस अध्ययन की वरिष्ठ लेखिका युआन-चिन एमी ली ने कहा- इससे पहले भी चाय और कॉफी के सेवन और कैंसर के जोखिम में कमी पर शोध हो चुका है, लेकिन इस अध्ययन में हमने सिर और गर्दन के कैंसर पर इन पेयों के अलग-अलग प्रभावों का विश्लेषण किया है। इसमें यह भी दिखाया गया है कि कैफीन रहित कॉफी का भी सकारात्मक असर पड़ता है। इस अध्ययन में करीब 9,550 सिर और गर्दन के कैंसर के रोगियों और 15,800 बिना कैंसर वाले लोगों से जुड़े 14 अलग-अलग अध्ययनों के आंकड़ों का

विश्लेषण किया गया। शोधकर्ताओं ने यह पाया कि जो लोग चार कप से अधिक कैफीनयुक्त कॉफी पीते थे। उनके सिर और गर्दन के कैंसर का खतरा 17 प्रतिशत कम था। इसके अलावा इन लोगों में मुंह के कैंसर का खतरा 30 प्रतिशत कम और गले के कैंसर का खतरा 22 प्रतिशत कम पाया गया। साथ ही जिन लोगों ने तीन से चार कप कैफीनयुक्त कॉफी पी थी। उनका हाइपोफरीन्जियल कैंसर (गले के निचले हिस्से का कैंसर) का खतरा 41 प्रतिशत कम हो गया। दूसरी ओर कैफीन रहित कॉफी पीने से मुंह के कैंसर का खतरा 25 प्रतिशत कम हो गया। चाय के सेवन से भी सिर, गर्दन और गले के कैंसर का खतरा कम हो सकता है। एक कप चाय पीने से सिर और गर्दन के कैंसर का खतरा नौ प्रतिशत और हाइपोफरीन्जियल कैंसर का खतरा 27 प्रतिशत कम हो जाता है। हालांकि, शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि एक दिन में एक कप से ज्यादा चाय पीने से लैरिंक्स (स्वरयंत्र) के कैंसर का खतरा 38 प्रतिशत अधिक हो सकता है। शोधकर्ताओं का यह भी कहना है कि इस अध्ययन में जिन आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। वे मुख्य रूप से उत्तर अमेरिका और यूरोप के देशों से आए थे। इसलिए इन निष्कर्षों को अन्य देशों जैसे दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका और एशिया में समान रूप से लागू नहीं किया जा सकता है, क्योंकि इन क्षेत्रों में चाय और कॉफी पीने की आदतें अलग हो सकती हैं। एमी ली ने कहा- कॉफी और चाय की आदतें हर जगह अलग-अलग हैं।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय
कार्यालय पताः-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा। डाक पंजीकरण संख्या-MP/IDC/1619/2024-2026

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।